दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। बुधवार 19 जून -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 250 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

वाराणसी दौरे पर पीएम मोदी बोले-

'मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया, मैं यहीं का हो गया हूं...'

वाराणसी। पीएम मोदी का दौरा बहुत अहम है, क्योंकि वह वाराणसी से लगातार तीसरी बार सांसद चुने जाने के बाद पहली बार काशी पहुंचे। उनका ये दौरा एक तरह से देश के किसानों को समर्पित रहने वाला है। उन्होंने पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित 30,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मंगलवार को पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे हैं। यहां किसानों और अन्य लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने उनका धन्यवाद किया। पीएम मोदी ने बनारस की क्षेत्रीय भाषा में अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा, चुनाव जीतने के बाद हम पहली बार आज बनारस आयल हई काशी के जनता के हमार प्रणाम। काशी के लोगों की वजह से में धन्य हो गया। सूर्य देवता भी थोडल ठंडक बरसाने लग गया मां गंगा देवी जैसे मुझे गोद ले लिया है, मैं यही का हो गया हूं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि अपने किसान भाई-बहनों का जीवन आसान बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

काशी की पवित्र भूमि से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। पीएम मोदी ने पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की।

गाजियाबाद में बिजली-पानी कटौती से हाहाकार
निगम मुख्यालय पर आक्रोशित महिलाओं ने फोड़े मटके

निगम मुख्यालय पर पानी ना मिलने से नाराज महिलाओं ने किया मटका फोड़ प्रदर्शन

गाजियाबाद, करंट क्राइम : जून का महीना चल रहा है और आसमान से आग बरस रही है। मंगलवार को तापमान 44 डिग्री सेल्सियस हो गया है और गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। भीषण गर्मी की वजह से लगातार बिजली कटौती बढ़ गई है। तो बिजली कटौती होने की वजह से नगर निगम और जल निगम जलापूर्ति करने में फेल साबित होते दिखाई दें रहे हैं। भीषण बिजली कटौती की वजह से नगर निगम की पानी की टंकियों भर

नहीं पा रही हैं। जिसकी वजह से बीते कई दिनों से जल संकट भी गहरा गया है। वहीं सिद्धार्थ विहार, कवि नगर, लाजपत नगर, अर्थला, साहिबाबाद, विजय नगर, कैलाभट्ट ा,लोहिया नगर और नेहरू नगर में भीषण बिजली कटौती से लोग परेशान हो गए हैं। सिद्धार्थ विहार इलाके में सोसायटी की रातभर बिजली न आने पर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने सोसायटी के मेंटेनेंस अफसर को घेर लिया। साथ ही सड़क पर जाम लगा दिया। हंगामाने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। तो वहीं पानी की समस्या को लेकर नगर निगम पर हाई वोल्टेज आंदोलन भी देखने को मिला। जहां विजयनगर जोन के कई वार्डों के लोग जलापूर्ति की परेशानी की समस्या लेकर पहुंचे और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के सामने अपनी आप बीती सुनाई। इस दौरान नगर निगम के रुख से गुस्साई महिलाओं ने मटके फोड़कर प्रदर्शन भी किया।

सिद्धार्थ विहार में लोगों ने की सड़क जाम

नगर निगम पर महिलाओं का प्रदर्शन, फोड़े मटके

करंट क्राइम : गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में एक महीने से चल रही पेयजल आपूर्ति की दिक्कत पर स्थानीय लोगों का मंगलवार को गुस्सा फूट गया। इलाके के लोग जुलूस निकालते हुए नगर निगम मुख्यालय पहुंचे और मटके फोड़कर विरोध जताया। इसके बाद नगरायुक्त से हुई वार्ता में कई बातों पर सहमति बन गई। वार्ड-3 के पार्षद भगवत स्वरूप उर्फ भारत रतन और वार्ड-23 के पार्षद जगत सिंह के नेतृत्व में दर्जनों महिला-पुरुष नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि नगर निगम के पंप खराब पड़े हैं। कभी मोटर फुंक जाती है। पानी सप्लाई का कोई निश्चित टाइम नहीं है। कभी रात में 2 बजे भी आपूर्ति हो जाती है। कई बार 10 मिनट आने के बाद पानी सप्लाई बंद हो जाती है। ऐसी गरमी में पानी नहीं होने से दिक्कतें हो रही हैं।

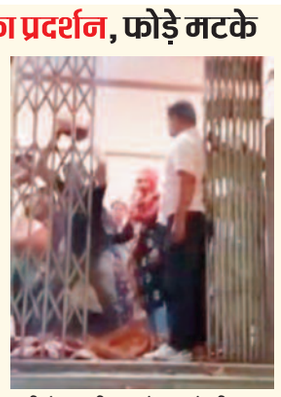

गर्मी की वजह से हिट हो रहे हैं ट्रांसफार्मर, पानी की मोटरें फूंकी

करंट क्राइम : भीषण गर्मी के आगे विद्युत विभाग और जलकल बेहाल होता नजर आ रहा है। भीषण गर्मी में जहां ट्रांसफार्मर हिट हो रहे हैं। तो उनको शटडाउन पर लिया जा रहा है। इसके साथ ही पानी की मोटरें भी गर्मी की वजह से जल्दी फुंक रही हैं। नगर निगम के अधिकारी बता रहे हैं कि बीते 10 दिनों में 13 मोटर बदली जा चुकी हैं।

अधोषित कटौती से जनता परेशान, अधिकारी नहीं उठा रहे फोन

करंट क्राइम : भीषण गर्मी होने की वजह से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। विद्युत व्यवस्था चरमराने की वजह से जलापूर्ति का संकट भी शहर में बढ़ गया है। बिजली कटौती की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। तो वह बिजली के अधिकारियों को फोन मिला रहे हैं और वो फोन नहीं उठा रहे हैं। बता दें कि बीते दिनों ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशभर में निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति व्यवस्था बनाने और संबंधित सरकारी अधिकारियों को अपने सीसूजी फोन नंबर उठाने का निर्देश दिया था लेकिन इसका पालन होता नहीं दिखाई दे रहा है।

10 दिन में 13 मोटर बदलीं

करंट क्राइम : नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने प्रदर्शनकारियों को बुलाकर उनकी बात सुनी। स्थानीय लोगों ने नगरायुक्त को बताया कि 10 दिन में नलकूपों की 13 मोटर बदली गई हैं। आशंका है कि कोई ऐसा गैंग एक्टिव है जो चलती हुई मोटरों को खराब कर रहा है, जिससे जल संकट पैदा हो रहा है। वार्ड-3 के तहत रामलीला ग्राउंड पर 30 एचपी नलकूप की एक हफ्ते में पांच मोटर बदली गई हैं। इसी तरह के-ब्लॉक की चार मोटर एक हफ्ते में बदली हुई हैं। सब्जी मंडी, रविदास कॉलोनी गेट की तरफ लगे नलकूप की दो मोटर चार दिन में बदली हैं। इसी प्रकार ए-ब्लॉक तिकोना पार्क की भी मोटर एक सप्ताह में दो बार बदली गई हैं।

विजयनगर वार्ड-3 में खुदेगा नया बोरिंग

करंट क्राइम : क्षेत्रवासियों ने कहा कि चौकीदार नियुक्त किए जाएं, जिससे वो इन मोटरों पर नजर रख सकें। नगरायुक्त ने तुरंत वार्ड-3 में दो चौकीदार तैनात करने को कहा। इसके अलावा जल महाप्रबंधक को टीम सहित क्षेत्र में जाने को कहा। नगरायुक्त ने कहा कि खराब पड़ी मोटरों को तत्काल सही कराया जा रहा है। इससे काफी हद तक पेयजल आपूर्ति की दिक्कत खत्म हो जाएगी।

सोसायटी में बिजली नहीं आने पर हंगामा, सड़क पर प्रदर्शन

करंट क्राइम : सिद्धार्थ विहार स्थित गौर सिद्धार्थम सोसाइटी में सोमवार रात से बिजली सप्लाई नहीं है। नाराज लोगों ने मंगलवार सुबह सोसाइटी के बाहर जाम लगा दिया है। उन्होंने सड़क के बीचोंबीच एक खंभा रख दिया है। इस वजह से चार पहिया वाहन चालक गुजर नहीं पा रहे हैं। सोसाइटी के लोगों का कहना है कि पॉवर कॉरपोरेशन में कोई सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। जेई फोन नहीं उठा रहे। बिजलीघर पर संतुष्ट जवाब भी नहीं मिल रहा। पूरी रात बिजली नहीं होने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई। सुबह जिन लोगों को ऑफिस जाना था, वे इस वजह से नहीं जा सके। फिलहाल हंगामा चल रहा है।

शहर के कई हिस्सों में कटौती से बढ़ी परेशानी

करंट क्राइम : गौर सिद्धार्थम के अलावा गाजियाबाद के कई इलाकों में बिजली संकट बना हुआ है। अजय चौरसिया ने बताया- चिपियाना बुजुर्ग इलाके में सोमवार रात 1 बजे से बिजली नहीं है। इसी तरह लोनी क्षेत्र के नाईपुरा बिजलीघर की सप्लाई पिछले आठ घंटे से बंद है। दानिश ने बताया कि त्यागी मार्केट लोनी में पूरी रात बिजली नहीं आई। सुबह 6 बजे कुछ देर के लिए सप्लाई चालू हुई तो फिर पॉवर कट लग गया। बिजलीघर बलरामनगर के जेई और लाइनमैन कोई फोन तक नहीं उठा रहे। चिरंजीव विहार के प्रणव ने बताया- 12 घंटे से बिजली की आंख-मिचौली चल रही है। वसुंधरा के अरविंद चौरसिया ने बताया कि हमारे इलाके में वोल्टेज सही नहीं होने से बिजली उपकरण फुंक रहे हैं। यहां लंबे समय से तार भी नहीं बदले गए हैं।

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने विधानसभा उपचुनाव को लेकर किस दावेदार से किया बड़ा कमिटमेंट

कहा पार्टी ने किया जिक्र तो पैनल के तीन नामों में करूंगा मैं आपकी फिक्र!

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा चुनाव खत्म हो गया और अब इंतजार विधानसभा उपचुनाव का है। विधायक जी सांसद हो गये और लखनऊ जाकर उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया। अब पार्टी किसे टिकट देगी ये संगठन का विषय है लेकिन ये भी तय है कि भाजपा में विधानसभा वाले टिकट में लोकसभा सांसद की राय बहूमुल्य होती है। सांसद के विचार पर दावेदार कई बार उम्मीदवार में बदल जाता है। वहीं इस बार उपचुनाव को लेकर पैटर्न से अलग हटकर एक समाज टिकट को लेकर चक दे फट्टे वाले सीन में है। टिकट की चाहत वाले दावेदार बल्ले बल्ले कर रहे हैं। उनका पूरा प्रयास जी आ नूं वाला है और टिकट वाले संघर्ष चल रहे हैं। दावेदारों का प्रयास है कि गल बन जाये और गल बनाने के लिए वो पूरे फट्टे चक रहे हैं।

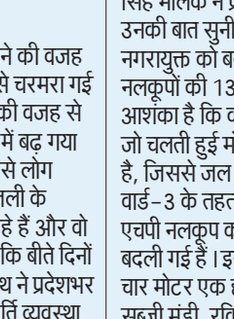

सूत्र बताते हैं कि इस गल वाली सीन को लेकर एक चेहरे ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से हाल ही में मुलाकात की है। अतुल गर्ग अब राजनीति के बड़े स्तंभ हैं और वो कभी भी कठोर शब्दों से अपनी नाराजगी व्यक्त नहीं करते। सामने वाले के बहुत अधिक साफ्ट शब्द भी वो पसंद नहीं करते और सामान्य लहजे में बात करते हैं। बीती ताही बिसार वे आगे की सुध ले वाला अंदाज रहता है। राजनीति में एक ऐसे चेहरे ने अतुल गर्ग से मुलाकात की जो उनके चुनाव में दिखाई नहीं दिये। लेकिन अतुल गर्ग तो अतुल गर्ग हैं और शब्द जादूगर ऐसे ही नहीं कहा जाता। अब तो उन्होंने राजनीति का वो मास्टर स्ट्रोक मारा है कि सब हैरान रह गये हैं। बहरहाल जब राजनीति के इस चेहरे ने अतुल गर्ग से मुलाकात की तो अतुल गर्ग ने फेस से भी तवज्जो दी और मिलने के लिए भरपूर स्पेस भी दिया। सूत्र बताते हैं कि ये मुलाकात लगभग एक घंटे की रही। जिन चेहरे ने ये मुलाकात की है वो भाजपा की राजनीति में समर्पित और अनुभवी नेता के रूप में पहचान रखते हैं।

अतुल गर्ग से उनकी पुरानी पहचान है। लेकिन उन्होंने कम्यूनिकेशन गैप रखा हो लेकिन अतुल गर्ग ने पूरा संवाद कायम किया और ऐसा कमिटमेंट किया जो बाकी दावेदारों को हैरान कर सकता है। सूत्र बताते हैं कि अतुल गर्ग ने टिकट की इच्छा लेकर पहुंचे दावेदार से कहा कि मेरे विचार से तो यही ठीक होगा कि अगर पार्टी ने आपके नाम पर विचार किया तो मेरे तीन नामों वाले पैनल में आपका नाम जरूर होगा। ये कमिटमेंट बाकी दावेदारों को हैरान कर सकता है क्योंकि सब जानते हैं कि अतुल गर्ग जैसी शख्सीयत अगर किसी से कोइ कमिटमेंट कर रही है तो फिर वो इसे हर कीमत पर पूरा करते हैं।

अतुल गर्ग जैसे लोग अपने शब्दों की कीमत जानते हैं। बहरहाल अब ये देखना है कि बल्ले बल्ले दावेदार ने अपने चुनावी अरमानों का सांझा चूल्हा जला तो दिया है लेकिन समर्थन की डिश कब तैयार होगी। बहरहाल चुनाव की खिचड़ी पकनी शुरू हो गई है।

डॉली शर्मा को मिले साढ़े पांच लाख वोटों की कीमत को समझें स्थानीय कांग्रेसी

अभी से बनाकर चलें माहौल और कायम रखें सियासत की ये गर्मजोशी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अपने प्रदर्शन से खुश है। वो सरकार बनाने गिराने वाली भूमिका में नहीं आई है लेकिन उसके घर में सबसे बड़ी खुशी ये आई है कि उसका वोट बैंक उत्तर प्रदेश में मजबूत हुआ है। सियासी हाशिये पर पड़ी कांग्रेस कई सीटों पर मुकाबले में आई है। उसने अपनी

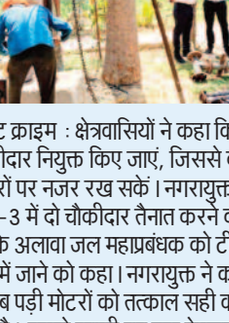

अमेठी सीट पर फिर से कब्जा किया है। रायबरेली में राहुल गांधी जीते हैं और कई सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस की फाईट ने मतगणना के कई राउंड में भाजपा की हालत टाइट की है। वो इस बार मुकाबले में दिखाई दे रही है। इस क्रम में गाजियाबाद में भी कांग्रेस मुकाबले में है और अब सियासी जानकार से कह रहे हैं कि कांग्रेस के स्थानीय नेताओं को उन साढ़े पांच लाख वोटों की कीमत को समझना चाहिए जो डॉली शर्मा को मिले हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस के स्थानीय नेताओं को सियासी ट्रैक पर अपनी रफ्तार बढ़ानी होगी। उन्हें जनसमस्याओं को लेकर जनसंवाद कायम करना होगा और ये भरोसा जीतना होगा कि विपक्ष के रूप में कांग्रेस उनकी लड़ाई लड़ सकती है। हालांकि कांग्रेस का एक धड़ा इन वोटों को डॉली शर्मा का नहीं बल्कि कांग्रेस का वोट मानता है लेकिन कांग्रेस की एक लॉबी चुनाव में मिले साढ़े पांच लाख वोटों को अगले चुनाव के लिए जीत की चाबी मान रही है। उनका कहना है कि उम्मीदवार के लहजे में भी धार थी और कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में विजय चौधरी ने भी चुनाव में जान फूंकी। लेकिन बाकी नेताओं को भी अब खुद को एक्टिवेट करना होगा। उन्हें पुराना माहौल तैयार करना होगा। संवाद कायम रखना होगा और अंदरूनी विवाद खत्म करना होगा।

लगातार लग रही थी किले में सेंध लेकिन अब बना है एक मजबूत बेस

करंट क्राइम। कांग्रेस के वोट बैंक की बात करें तो यहां सुरेन्द्र गोयल ने भाजपा को लोकसभा और विधानसभा में हराया। लेकिन उसके बाद यहां सीन तब बदला जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए राजनाथ सिंह चुनाव लड़ने आये। राजनाथ सिंह ने 2009 में कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन्द्र गोयल को लगभग एक लाख वोटों से अधिक से हराया। इसके बाद 2014 में मोदी लहर ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे राज बब्बर गाजियाबाद से चुनाव लड़े और उनकी जमानत जब्त हो गई और जमानत जब्त का ये सिलसिला ऐसा शुरू हुआ कि मेयर उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार लालमन की जमानत जब्त हुई। विधानसभा चुनाव 2022 में साहिबाबाद, मुरादनगर शहर में कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। फिर ये हुआ कि कांग्रेस मौहल्लों से भी साफ हो गई। आज नगर निगम में उसके तीन पार्षद हैं। लेकिन 2024 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार डॉली शर्मा पूरे हौंसलों के साथ के साथ चुनाव लड़ीं और कांग्रेस के दरखते किले को उन्होंने थामा है। एक बड़े वोटबैंक के साथ यहां कांग्रेस को एक बेस मिला है। अब कांग्रेस को इस वोट बैंक को रोक कर रखने की जिम्मेदारी है।

2024 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार डॉली शर्मा पूरे हौसले के साथ चुनाव लड़ीं और कांग्रेस के दरखते किले को उन्होंने थामा

माना कि बढ़ा वोट है दलित लेकिन कांग्रेस करे इसे अपने पक्ष में फलित

करंट क्राइम। राजनीति से जुड़े लोग ये मानते हैं कि कांग्रेस का कोई वोट नहीं बढ़ा है। उनका मानना है कि ये वोट तो बसपा को वोट है जो छिटक कर इधर आया है। लेकिन राजनीति के दूसरे पहलू से देखें तो ये कांग्रेस का पुराना वोट बैंक है जो वापस कांग्रेस में लौटा है। कांग्रेस अगर इस वोट से अपने ग्राफ में इजाफा कर रही है तो ये माना जायेगा कि भले ही ये बसपा का कैडर वोट दलित है लेकिन कांग्रेस को अब इसे अपने पक्ष में फलित करना होगा। इस समाज की लड़ाई लड़नी होगी और ये विश्वास दिलाना होगा कि उनके हर संघर्ष हर हक की लड़ाई में कांग्रेस उनक साथ है।

कांग्रेस लीडर की आस्था तो नहीं डगमगाई लेकिन उनकी ईगो ने चोट पहुंचाई

करंट क्राइम। अगर बात लहर की करें तो कांग्रेस के उन चेहरों को सलाम करना होगा जो मोदी लहर योगी लहर में साथ थामे रहे। जो आंधी में भी नहीं डगमगाये। जिनकी आस्थाएं काय रहीं। लेकिन ये भी एक सच है कि आस्था वाले इन लीडर की पर्सनल ईगों ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। ईगो के चलते कई मौकों पर कांग्रेस के ऊजार्वान नेता घर बैठ गये। जब कांग्रेस के नेता चुनाव लड़े तो कांग्रेस के ही कई नेता आउट ऑफ सीन हो गये। कोई सुशांत गोयल से गायब हो गया तो कोई बिजेन्द्र यादव के चुनाव में नजर हीं नहीं आया। संगीता त्यागी के चुनाव में कांग्रेस के कई नेता गये ही नहीं। लोकसभा चुनाव में भी ऐसा रहा और कांग्रेस को अब स्थिति से बाहर आना होगा। उसे बढ़े वोट बैंक को सहेज कर रखना एक बड़ी चुनौती होगी। अब उसे ये वोट हाथ में रखने है और हाथी के पास नहीं जाने देने हैं। डॉली शर्मा के चुनाव में भी पार्टी के कई जागरूक नेता स्ली लिपंग मोड में थे अब ये अहम बात है कि कांग्रेस के लीडर इस बात को कंसीडर करें और पूरी मजबूती के साथ कांग्रेस के साथ आयें।

ये भी एक सच है कि आस्था वाले इन लीडर की पर्सनल ईगों ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया

भाजपा करेगी आज गाजियाबाद लोकसभा चुनाव नतीजे की समीक्षा

विधायक श्याम सुंदर लेंगे तीन विधानसभाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिस लोकसभा में भाजपा आठ लाख के दावे से शुरू हुई थी। उस लोकसभा में भाजपा की तीन लाख तीस हजार वोटों से चुनाव जीती। तीन लाख वोटों की जीत माने तो भाजपा आज इस बात की समीक्षा करेगी कि उसके पांच लाख वोट कहां चले गये।

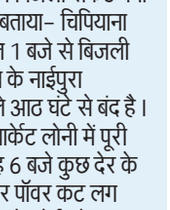

भाजपा में हर चीज की एक प्लानिंग होती है और समीक्षा होती है। लिहाजा आज गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा होगी। बरेली के एमएलसी श्याम सुंदर आज गाजियाबाद आ रहे हैं। वो तीन विधानसभाओं की अलग अलग बैठक लेंगे। पहली बैठक दोपहर 1.30 बजे शुरू होगी। ये बैठक मुरादनगर विधानसभा को लेकर होगी। इसके बाद दूसरी बैठक शहर विधानसभा की समीक्षा को लेकर होगी। ये बैठक दोपहर 2.30 बजे शुरू होगी और तीसरी बैठक साहिबाबाद विधानसभा की होनी है। ये बैठक दोपहर 3.30 बजे शुरू होगी। तीन विधानसभाओं की लोकसभा समीक्षा वाली बैठक में इन विधानसभाओं के जनप्रतिनिधि, विधानसभा के चुनाव संयोजक, मंडल पदाधिकारी और इन विधानसभाओं में रहने वाले महानगर संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। विधानसभावार होने वाली समीक्षा बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चिंतन होगा।

राहुल गांधी ने लोकसभा सचिवालय को दी वायनाड सीट छोड़ने की सूचना

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने की औपचारिक सूचना दी। जानकारी के मुताबिक उन्होंने इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय को एक पत्र दिया है। राहुल गांधी ने लोकसभा के लिए उत्तर प्रदेश की रायबरेली और केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। वह दोनों ही सीटों से चुनाव जीते हैं। ऐसे में नियमों के मुताबिक उन्हें दोनों में से एक सीट छोड़नी थी। राहुल गांधी ने रायबरेली सीट से सांसद बने रहने का निर्णय लिया है और वायनाड सीट छोड़ दी है। राहुल गांधी ने सोमवार शाम वायनाड सीट छोड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड से अपना उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया है। यह प्रियंका गांधी वाड्रा का पहला लोकसभा चुनाव होगा। वह केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव लड़ेंगी।

अपने निर्णय पर राहुल गांधी का कहना था कि वह पिछले पांच साल से वायनाड के सांसद हैं। वायनाड के लोगों और सभी राजनीतिक दलों ने उन्हें बहुत प्रेम दिया। वायनाड से प्रियंका चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन वह खुद भी वायनाड आते रहेंगे। वायनाड की जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें वह जरूर पूरा करेंगे। अब वायनाड को एक तरह से दो प्रतिनिधि मिल रहे हैं एक प्रियंका और दूसरा मैं। वायनाड से पहला लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि वह काफी प्रसन्न हैं। रायबरेली के साथ उनका पुराना रिश्ता है। मैं 20 सालों से रायबरेली में काम कर रही हूं। यह रिश्ता कभी टूट नहीं सकता, मैं अपने भाई के साथ रायबरेली में भी मौजूद रहूंगी। प्रियंका गांधी वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव जीत जाती हैं, तो कांग्रेस पार्टी की ओर से नेहरू-गांधी परिवार के तीन सदस्य संसद में होंगे। राहुल और प्रियंका जहां लोकसभा में नजर आएंगे, वहीं सोनिया गांधी पहले ही राज्यसभा की सदस्य चुनी जा चुकी हैं।

कोई फर्क नहीं पड़ता लोकसभा अध्यक्ष कौन होगा, सदन का तापमान बढ़ने वाला है : कांग्रेस

नई दिल्ली। लोकसभा का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इन अटकलों के बीच कांग्रेस का कहना है कि कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन स्पीकर बने और कौन डिप्टी स्पीकर। मंगलवार को कांग्रेस पार्टी ने कहा कि अब वे संसद का सदन उस तानाशाही से नहीं चला पाएंगे, जैसे पहले चलाया जाता था। राहुल गांधी के 14 मिनट के वक्तव्य में 11 मिनट तक आपको स्पीकर नहीं दिखेंगे। जिस सदन में सरकार पहले राहुल गांधी को ही नहीं संभाल पा रही थी, अब उसी सदन में प्रियंका गांधी भी आ रही हैं। इंडिया गठबंधन के बड़े-बड़े प्रबल नेता, प्रखर वक्ता सब आने वाले हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, क्योंकि सदन का तापमान जबरदस्त बढ़ने वाला है। अब कोई फर्क नहीं पड़ता स्पीकर कौन बने और डिप्टी स्पीकर कौन बने। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से प्रश्न करते हुए कहा कि देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं। ऐसे में रेलवे की सुरक्षा को लेकर क्या बदलाव किए गए हैं? वर्ष 2014 से 2023 तक 1,017 रेल दुर्घटनाएं हुई हैं। हर महीने 11 रेल दुर्घटनाएं और हर तीसरे दिन एक रेल दुर्घटना हुई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि रेल, सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं है। जो देश के रेल मंत्री हैं, वही आईटी और इलेक्ट्रॉनिक के भी मंत्री बने हुए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री भी वहीं हैं। महाराष्ट्र के प्रभारी भी वह बने हुए हैं, तो ऐसे में वह रेलवे को कब देखेंगे। इसका मतलब यही है कि रेलवे सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं है। पश्चिम बंगाल में कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह दुर्घटनाएं केंद्र सरकार की रेल के प्रति जवाबदेही और लोगों की सुरक्षा के प्रति सरकार के रवैए को दिखाती है। करीब एक साल पहले ओडिशा में बड़ा रेल हादसा हुआ था। उस रेल हादसे में कई लोगों की जान गई थी। लेकिन, सरकार ने उस हादसे से कोई सबक नहीं लिया। यही कारण है कि अब पश्चिम बंगाल में एक और रेल हादसा हुआ है।

न्यूज डायरी

कांग्रेस कार्यकर्ता से पैर धुलवाने पर भाजपा ने नाना पटोले से की माफी की मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले फिर भाजपा के निशाने पर आ गए हैं। वह एक पार्टी कार्यकर्ता से अपने पैर पैर धुलवा रहे हैं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जमकर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस नेता पटोले की आलोचना करते हुए उनसे माफी मांगने को कहा है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में जो शहजादे, नवाबी, माई-बाप मानसिकता है, उसका परिचय नाना पटोले ने तब दिया, जब उन्होंने एक पार्टी कार्यकर्ता से अपने पैर धुलवाए। कांग्रेस पार्टी में टिकट और पद विरासत के लोगों को मिलता है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के पहले वो पैर धुलवाते हैं, अगर वो सत्ता में आ गए तब क्या करेंगे, पता नहीं। हद तो तब हो गई जब नाना पटोले कहते हैं कि वीडियो मत बनाओ, मतलब पैर धोना गलत नहीं उनके लिए, वीडियो बनाना गलत है। ये कांग्रेस पार्टी में वीवीआईपी कल्चर का जीता जागता उदाहरण है। कांग्रेस का मतलब हो गया है नवाबी सोच के साथ जनता और कार्यकर्ता को गुलाम समझना। वहीं भाजपा विधायक और प्रवक्ता राम कदम ने कहा कि एक ओर पीएम मोदी सफाईकर्मियों के पैर अपने हाथों से धोते हैं। दुनिया के सबसे ताकतवर नेता होने के बावजूद पीएम नरेंद्र मोदी सामान्य से सामान्य व्यक्ति के लिए प्रेम दिखाते हैं। वहीं दूसरी ओर नाना पटोले अपने एक सामान्य कार्यकर्ता से पैर धुलवा रहे हैं। क्या यह आपकी संस्कृति और संस्कार है। लोगों को मान-सम्मान देने का यही आपका तरीका है। इसके लिए उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, पटोले अकोला जिले के वडगांव में पार्टी समर्थक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के दौरान पटोले ने संत श्री गजानन महाराज की पालकी यात्रा का भी दौरा किया, जहां बारिश के कारण जमीन कीचड़ से भर गई थी। वह अन्य लोगों के साथ कीचड़ भरे मैदान से होकर पालकी यात्रा तक गए। इस दौरान पटोले के पैर कीचड़ से सने हुए थे और उन्होंने साफ करने के लिए पानी मंगवाया। जिसके बाद विजय गुरव नाम के एक कार्यकर्ता ने पटोले के कीचड़ से सने पैर अपने हाथों से धोए।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से कहा, नीट (यूजी) परीक्षा में जरा भी गड़बड़ी पाई गई तो उसे स्वीकार करें

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कहा कि यदि नीट (यूजी) परीक्षा के आयोजन में जरा भी गड़बड़ी पाई गई तो उसे स्वीकार करे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और एस.वी.एन. भट्टी की अवकाश पीठ ने टिप्पणी की कि यदि नीट परीक्षा के आयोजन में 0.001 प्रतिशत भी लापरवाही हुई है तो इससे समुचित तरीके से निपटने की जरूरत है और मामले को एडवर्सेरियल लिटिगेशन की तरह लेना चाहिए (जिसमें जांच की जिम्मेदारी संबंधित पक्ष पर होती है)। सुप्रीम कोर्ट ने किसी उम्मीदवार के फजीर्वाड़ा कर डॉक्टर बनने के संभावित बुरे परिणामों के बारे में भी चेताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कहीं गलती हुई है तो एनटीए को इसे स्वीकार करना चाहिए और प्रतियोगिता परीक्षाओं में लोगों का विश्वास बनाये रखने के लिए सुधारात्मक उपाय करने चाहिए। इसके जवाब में एनटीए ने कहा कि अदालत के समक्ष समुचित जवाब दाखिल करने से पहले सिर्फ कयासबाजी के आधार पर कोई कठोर राय नहीं बनानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने नीट (यूजी) परीक्षा में विभिन्न अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए एनटीए को दो सप्ताह का समय दिया है। उसने मामले को 8 जुलाई को सुनवाई के लिए निर्धारित दूसरी याचिकाओं के साथ टैग करने का भी आदेश दिया। बिहार पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट (ईओयू) ने रविवार को दावा किया था कि दो आरोपियों ने प्रश्न पत्र लीक करने में अपनी भूमिकाओं की बात स्वीकार कर ली है। शीर्ष अदालत ने पिछले सप्ताह मामले में सिर्फ एक पक्ष को सुनकर सीबीआई जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया था।

झारखंड में पाकुड़ जिले के गांव पर पश्चिम बंगाल के उपद्रवियों का हमला

पाकुड़। झारखंड के पाकुड़ जिले के गोपीनाथपुर गांव में मंगलवार को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के कृष्टोनगर गांव के सैकड़ों लोगों ने जमकर उपद्रव मचाया। उपद्रवियों ने फायरिंग और बमबारी भी की। पाकुड़ के सदर थाने की पुलिस ने उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए हवाई फायरिंग की, लेकिन इसके बाद भी हमलावरों का उत्पात जारी रहा। उन्होंने एक मकान में आग लगा दी। कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। झारखंड और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों की पुलिस उपद्रवियों को भगाने में जुटी है। पाकुड़ के एसपी प्रभात कुमार और एसडीएम प्रवीण केरकेट्टा भी मौके पर पहुंचे हैं। कई थानों की पुलिस बुलाई गई है। दरअसल, बकरीद के दिन सोमवार को गोपीनाथपुर गांव में एक व्यक्ति ने सड़क के किनारे गोवंशीय पशु की कुर्बानी दी थी। इसका कई लोगों ने विरोध किया तो दो समुदायों के लोगों के बीच मारपीट हो गई। पड़ोस के राज्य पश्चिम बंगाल के कृष्टोनगर के ग्रामीण भी विवाद में उलझ गए थे और दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ था। दोनों राज्यों की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की थी। इसी विवाद को लेकर मंगलवार को दूसरी बार गोपीनाथपुर गांव पर कई बम फेंके गए और फायरिंग की गई। हमले से घबराए गोपीनाथपुर के ग्रामीण घरों को छोड़कर भाग गए। पुलिस ने उपद्रवियों को काबू करने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद उत्पात नहीं थमा। एसपी प्रभात कुमार ने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है। पश्चिम बंगाल की पुलिस भी उपद्रवियों को खदेड़ने में जुटी है। पाकुड़ पुलिस का एक जवान घायल हुआ है। कुछ ग्रामीणों के भी घायल होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। एक घर में आग लगाई गई थी, जिसे बुझा दिया गया।

राजद कानून व्यवस्था को बदनाम करने की रच रहा साजिश : जीतन राम मांझी

पटना। केंद्र में मंत्री बनने के बाद पहली बार बिहार पहुंचे जीतन राम मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला, साथ ही नीट पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि यह भाजपा, कांग्रेस और महागठबंधन का मामला नहीं है, यह बच्चों के भविष्य का मामला है। उन्होंने कहा, यह बात सही है कि इस परीक्षा में पेपर आउट हुआ है लेकिन सरकार उस पर सख्त है और जांच एजेंसी इस मामले पर कार्रवाई कर रही है। पेपर लीक होने से स्वाभाविक है कि जो गरीब हैं, उसके साथ जस्टिस नहीं हुआ है। मुझे उम्मीद है कि बच्चों के साथ न्याय होगा। राजद नेता तेजस्वी यादव की ओर से बिहार के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने को लेकर मांझी ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर महागठबंधन के नेताओं को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। हम नजदीक से उन लोगों को जानते हैं। आज त्वरित कार्रवाई हो रही है, लोगों को पकड़ा जा रहा है। आज ऐसा नहीं हो रहा कि गलत काम करने वाले, अपहरण करने वालों को छोड़ा जा रहा है। तब नेगोशिएशन वाली स्थिति थी लेकिन आज इस तरह की बात नहीं है। ऐसे लोग लॉ एंड आर्डर को लेकर बात करते हैं तो यह शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि जहां-जहां घटनाएं घट रही हैं, उसमें कौन लोग इंवॉल्व हैं, अगर आप देखेंगे तो स्पष्ट होगा कि राजद के लोग उसमें इंवॉल्व हैं। राजद के लोग लॉ एंड ऑर्डर को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है। इस पर कानून भी बनने जा रहा है ताकि इस पर अंकुश लगाया जा सके। केंद्र में मंत्री बनने के बाद पहली बार जीतन राम मांझी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद पहली बार पटना आया हूं और हमने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से हमने अपने विभाग को लेकर सहयोग मांगा है। उन्होंने बहुत साफ शब्दों में कहा कि जो भी जमीन की जरूरत होगी, हम लोग जमीन देंगे आप अपना काम कीजिए।

बिहार में नौकरी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में नौकरी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से मुख्य आरोपी तिलक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। मुजफ्फरपुर के पुलिस अधीक्षक (नगर) अवधेश दीक्षित ने बताया कि पूरे देश में कई राज्यों में इस कंपनी का कॉल सेंटर चलता है। सभी की डिटेल निकाली जाएगी और संबंधित राज्य के पुलिस को सूचना दी जाएगी। इसके बाद क्या कार्रवाई होती है या कहां तक कारवाई होती है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। उन्होंने बताया कि गोरखपुर से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कंपनी में कई लड़के भी काम करते थे। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना में दर्ज प्राथमिकी की जांच के दौरान डीबीआर यूनीक्यू कंपनी द्वारा लड़के-लड़कियों को बंधक बनाकर फर्जी कॉल सेंटर (नेटवर्क-मार्केटिंग) में काम कराने एवं लड़कियों के यौन शोषण की बात सामने आई थी।

कोलकाता में सरकारी अस्पताल, यूनिवर्सिटी को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी में एक सरकारी अस्पताल और एक प्रमुख यूनिवर्सिटी को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी के बाद कोलकाता पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, दक्षिणी कोलकाता स्थित एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और शहर के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित रबिंद्र भारती विश्वविद्यालय के अधिकारियों को आज अलग-अलग ईमेल मिले जिनमें दोनों संस्थानों में टाइमर बम होने के दावे किये गये थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक निजी विश्वविद्यालय को भी इसी तरह की बम की धमकी मिली थी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और बम निरोधक दस्ते उन जगहों पर पहुंचे जिन्हें बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। खबर लिखे जाने तक कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। हालांकि अभी पुलिस ने ईमेल से मिली धमकियों को अफवाह करार नहीं दिया है। पुलिस धमकी भेजने वाले ईमेल एड्रेस के आधार पर आरोपी का पता लगाने में जुट गई है।

ओडिशा विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने मंगलवार को शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर रणेंद्र प्रताप स्वैन ने सबसे पहले मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को शपथ दिलाई। बाद में दो डिप्टी सीएम - के.वी. सिंह देव और प्रवती परिदा ने शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर ने पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष नवीन पटनायक को भी शपथ दिलाई। पटनायक अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार विपक्ष की भूमिका निभाने जा रहे हैं। गौरतलब है कि सभी 147 नवनिर्वाचित विधायकों को 18 और 19 जून को शपथ लेनी है। स्पीकर का चुनाव 20 जून को होगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वरिष्ठ भाजपा नेता सुरमा पाढ़ी को बीजेपी स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार बना सकती है। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 78 सीटें जीतीं और ओडिशा में बीजद का 24 साल पुराना शासन समाप्त हो गया। बीजद ने 51 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 14, माकपा ने तीन और निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटें जीतीं। पिछली विधानसभा में बीजद के 113 विधायक थे।

पालघर में सड़क पर शख्स ने सारेआम की महिला की हत्या

पालघर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के वसई शहर की एक मुख्य सड़क पर एक व्यक्ति को रिंच से महिला को पीटते हुए देखा गया। उस दौरान कुछ लोग इसे देखते रहे और घटना का वीडियो बनाते रहे। पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी। वसई में गौरईपाड़ा में एक व्यस्त सड़क पर दिनदहाड़े हत्या की घटना मंगलवार सुबह हुई। व्यक्ति महिला के खून से लथपथ शव के पास बैठा रहा और कुछ बुदबुदाता रहा। सूचना मिलने पर वालिव पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची, व्यक्ति को हिरासत में लिया और महिला के शव को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, शख्स की पहचान रोहित यादव (29) के रूप में हुई है और मृतका आरती जाधव (22) है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, नालासोपारा शहर के पास रहने वाले इस जोड़े के बीच पिछले दो साल से रिश्ता था, लेकिन रोहित को अचानक संदेह हुआ कि वह उसे धोखा दे रही है। फिर उनके बीच बहुत झगड़ा हुआ और रोहित ने चुपचाप उसके खिलाफ रंजिश पाल ली।\ मंगलवार सुबह (18 जून), वह वसई में एक निजी कंपनी में काम करने के लिए अपने घर से निकली। तभी जहां गुस्साए रोहित ने गौरीपाड़ा में उससे बात की और पूछा कि उसका किसके साथ रिश्ता चल रहा है। जब वह जाने लगी तो रोहित ने अपने हाथ में लिए लोहे के रिंच से उसके सिर पर बार-बार वार किया और उसे खून से लथपथ सड़क पर गिरा दिया। वह कुछ कदम आगे बढ़ा और फिर वापस आकर देखा कि वह जिंदा है या नहीं। जिंदा देख कर उसने पूरी ताकत से उसकी गर्दन पर वार किया और तब तक करता रहा, जब तक कि महिला की मौत नहीं हो गई। इसके बाद, वह सड़क पर उसके पास बैठ गया और कहने लगाः मेरे साथ ऐसा क्यों किया? आरती 12वीं तक पढ़ी है। वो गुलाबी रंग का टॉप और नीली लेगिंग पहने हुई थी।हाल ही में उसने कोई नौकरी शुरू की थी। इस दौरान हालांकि एक व्यक्ति ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन रोहित ने उसे धक्का देकर दूर कर दिया। लेकिन हैरानी की बात है कि दूसरे राहगीर और दुकानदार सड़क पर हो रही इस भयानक घटना को देखते रहे, वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते रहे, लेकिन किसी ने भी आगे आकर उस व्यक्ति को रोकने या महिला की मदद करने की हिम्मत नहीं दिखाई।

पेपर लीक पर सीएम नीतीश कुमार गंभीर, सख्त से सख्त होगी कार्रवाई : सम्राट चौधरी

पटना। नीट पेपर लीक मामले को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र लीक करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस पर कानून बनाने का काम चल रहा है। पेपर लीक को लेकर सीएम नीतीश कुमार गंभीर हैं। जो भी लोग प्रश्न पत्र लीक के काम में लगे हुए हैं, सब पर कार्रवाई होगी। सीतामढ़ी के जेडीयू एमपी देवेश चंद्र ठाकुर के बयान के बाद बिहार में बवाल मचा हुआ है। देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा था कि वो मुस्लिम और यादव समुदाय के लोगों का काम नहीं करेंगे। उनका कहना है कि उन्होंने उनको वोट नहीं दिया, इसलिए उनका काम नहीं करेंगे। ठाकुर के इस बयान के बाद एक तरफ जेडीयू अपने स्तर से जवाब दे रही है, वहीं दूसरी तरफ डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने अपना बयान जारी करते हुए उनका बचाव किया है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर ने अपनी भावनाओं को प्रकट किया है। उनका भाव अलग था, उनके कहने का मतलब भी अलग था, जिसे गलत संदर्भ में नहीं लिया जाना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि स्वाभाविक सी बात है, जो वोट देता है उसकी प्राथमिकता रहती है। जो वोट नहीं देता है उसके लिए भी एनडीए सरकार काम करती है। ऐसे लोगों को सोचना चाहिए कि एक जाति की जिम्मेदारी से कब मुक्त होंगे? गुलाम बनकर कब तक रहेंगे। एक व्यक्ति जो कोर्ट से सजायाफ्ता है, उसके बंधुआ मजदूर बनकर लोग कब तक रहेंगे?

बीआरएस की महिला नेताओं ने तिहाड़ जेल में की कविता से मुलाकात

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता और पूर्व मंत्री पी. सबिता इंद्र रेड्डी और सत्यवती राठौड़ ने मंगलवार को दिल्ली की तिहाड़ जेल में बीआरएस एमएलसी के. कविता से मुलाकात की।

मिलने वाली सभी नेता महिला हैं। कविता दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को मनी लॉन्ड्रिंग में कथित भूमिका के लिए इसी साल 15 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

आरोप हैं कि वह साउथ ग्रैंग का हिस्सा थीं, जिसने कथित तौर पर दिल्ली सरकार की शराब नीति को अपने बिजनेस के लिए बदल दिया और इसके लिए दिल्ली में आप सरकार को 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

शराब घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया, जब वह न्यायिक हिरासत में पहले से ही थीं।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दो बार उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार और बालका सुमन ने पिछले महीने तिहाड़ जेल में कविता से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि वह (कविता) सभी आरोपों से बरी हो जाएंगी और बेदाग बाहर आएंगी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा था कि कविता को पूरा भरोसा है कि वह निर्दोष साबित होंगी।

आंध्र में एमएलसी की दो सीटों के लिए उपचुनाव 12 जुलाई को

अमरावती। आंध्र प्रदेश विधान परिषद की दो सीटों के लिए उपचुनाव 12 जुलाई को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सी. रामचंद्रैया की अयोग्यता और शेख मोहम्मद इकबाल के इस्तीफे के कारण खाली सीटों को भरने के लिए उपचुनाव होगा। 2021 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के टिकट पर एमएलसी चुने गए रामचंद्रैया को इस साल मार्च में तब अयोग्य घोषित कर दिया गया, जब वे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए। इकबाल ने एमएलसी के पद से इस्तीफा दे दिया था और अप्रैल में वाईएसआरसीपी छोड़ टीडीपी में शामिल हो गए थे। दोनों का कार्यकाल 29 मार्च 2027 तक था। चुनाव आयोग 25 जून को उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन 2 जुलाई तक किए जा सकेंगे, जबकि नामांकन की जांच 3 जुलाई को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 5 जुलाई है। मतदान 12 जुलाई को होगा और उसी दिन मतगणना होगी। 175 सदस्यीय विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संख्या को देखते हुए, दोनों सीटों पर उसका जीतना तय है। हाल के विधानसभा चुनावों में एनडीए को 164 सीटें मिली थीं। अकेले टीडीपी ने 135 सीटें जीती थीं। इसकी सहयोगी जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भाजपा को क्रमशः 21 और आठ सीटें मिलीं थीं। विधान परिषद के अध्यक्ष कोये मोशेनु राजू ने इस साल मार्च में वाईएसआरसीपी के बागी एमएलसी वामसी कृष्ण यादव और सी. रामचंद्रैया को अयोग्य घोषित कर दिया था। राज्य में तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआरसीपी ने उन्हें अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। रामचंद्रैया एमएलए कोटे के तहत एमएलसी चुने गए थे, जबकि वामसी स्थानीय निकाय कोटे के तहत चुने गए थे। वामसी के इस्तीफे से खाली हुई सीट को भरने के लिए उपचुनाव की घोषणा बाद में होने की संभावना है।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। बुधवार 19 जून-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

गाजियाबाद में मुस्लिम राजनीति क्यों खो रही है अपनी धार

सियासत के फलक पर क्यों धुंधले हो रहे हैं मुस्लिम राजनीति के किरदार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद की राजनीति में मुस्लिम चेहरों का अपना योगदान है। मुस्लिम वोटों का अपना एक किरदार है और ये किरदार यहां राजनीति के समीकरण को प्रभावित करता है। यहां से मुस्लिम विधायक बने हैं। मुस्लिम चेहरों ने चुनाव में टक्कर दी है और प्रमुख धारा की राजनीति में रहे हैं। वर्तमान का सीन बता रहा है कि गाजियाबाद में मुस्लिम राजनीति अपनी धार खो रही है। मुस्लिम राजनीति के चेहरे सियासत के फलक से आउट हो रहे हैं। जो विधायक रहे हैं वो सियासी फ्रेम में नहीं है। जो मौजूदा समय में किसी तरह से जनप्रतिनिधि वाले फ्रेम में है वो भी साइलेंट मोड पर हैं। ये सीन लगभग सभी दलों में चल रहा है। जबकि एक दौर था जब यहां मुरादनगर से वहाब चौधरी विधायक का चुनाव जीते। हाजी जाकिर अली लोनी से विधायक का चुनाव जीते। सपा के जिलाध्यक्ष रहे साजिद हुसैना डासना नगर पालिका के चेयरमैन का चुनाव जीते। असलम चौधरी धौलाना से विधायक रहे और कई चेहरों ने चुनावी दंगल में भाग लिया है। लेकिन अब ये चेहरे साईड लाइन हैं। आखिर मुस्लिम समाज के ये सियासी किरदार खुलकर क्यों नहीं आ रहे हैं। कई चेहरे हैं जिनका पता ही नही चल रहा कि वो राजनीति में है भी या नहीं। मुस्लिम राजनीति अब से पहले इतनी शांत कभी नहीं रही है। इसके नेता सुर्खियों में रहते हैं लेकिन फिलहाल कोई मुस्लिम नेता मोर्चा खोलता नहीं दिखाई देता है।

हाजी जाकिर लोनी का फेस मगर नहीं दे पा रहे कोई संदेश

करंट क्राइम। हाजी जाकिर अली लोनी की सियासत का प्रमुख चेहरा है। सियासत उन्हें विरासत में मिली है। लोनी के कद्दावर सियासी परिवार से आते हैं। उनके पिता का अपना रसूख रहा है और स्वयं हाजी जाकिर अली उन मुस्लिम युवा चेहरों में है जिन्होंने चुनाव जीतकर अपने नाम पर विधायकी दर्ज करायी। हाजी जाकिर अली अब पूर्व विधायक हैं लेकिन वो एक नेता होने वाला संदेश नहीं दे पा रहे हैं। लोनी की राजनीति में वो कहां हैं इसका पता नहीं है। ये तब है जब उनका कद ऐसा बताया जाता है कि जब जब अखिलेश यादव आये तब तब उनका हाथ जाकिर अली के कंधे पर रहा है लेकिन जाकिर फिलहाल साइकिल में भी रफ्तार पर नहीं है।

सियासत में बढ़ा है रुआब लेकिन साइलेंट पर हैं वहाब

करंट क्राइम। वहाब चौधरी मुरादनगर की राजनीति का वो मुस्लिम चेहरा हैं जिनके सामने अभी वहां कोई अन्य मुस्लिम चेहरा टक्कर नहीं ले पाता है। उनकी पत्नी छम्मी चौधरी पहले भी नगर पालिका चेयरमैन रहीं है और इस बार भी वो भाजपा को हराकर मुरादनगर की नगर पालिका चेयरपर्सन बनी हैं। वहाब चौधरी विधायक रहे हैं। लेकिन सियासी सीन देखें तो वहाब चौधरी का रूआब तो बढ़ा है लेकिन वहाब चौधरी साईलेंट मोड पर हैं। वजह वो बेहतर जानते होंगे लेकिन उनकी खामोशी बता रही है कि मुरादनगर की मुस्लिम राजनीति फिलहाल हाशिये पर है।

पूर्व विधायक असलम चौधरी सियासी रडार से दिख रहे हैं आउट

करंट क्राइम। असलम चौधरी गाजियाबाद की मुस्लिम राजनीति का बड़ा चेहरा रहे हैं। मुरादनगर से चुनाव लड़ा है, धौलाना से चुनाव लड़ा है। विधायक रहे हैं और मुस्लिम सियासत के प्रमुख चेहरों में उनकी गिनती होती है। लेकिन असलम चौधरी फिलहाल सियासत के रडार से आउट हैं। बताया जाता है कि वो पास वाले जिले कि राजनीति में अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं और उनकी लोकेशन उधर की आ रही है। फिलहाल वो धौलाना से लेकर गाजियाबाद की राजनीति के सीन से आउट हैं।

सियासत के सीन से गायब हो गये हैं जलालुद्दीन सिद्दीकी

करंट क्राइम। जलालुद्दीन सिद्दीकी गाजियाबाद की मुस्लिम राजनीति के पुरानी और प्रमुख चेहरे हैं। एक बार वो खुद मेयर का चुनाव लड़ चुके हैं। एक बार उनकी पत्नी हसीना बेगम बसपा के टिकट पर मेयर का चुनाव लड़ी हैं। एक बार वो साहिबाबाद से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। बसपा सरकार के कार्यकाल में नेक्ट्स टू मायावती कहे जाने वाले नसीमुद्दीन सिद्दीकी के करीबी चेहरों में गिनती होती है। जब नसीमुद्दीन सिद्दीकी बसपा छोड़कर कांग्रेस ज्वाईन करी तो जलालुद्दीन सिद्दीकी कांग्रेस में आ गये। कांग्रेस में आकर नसीमुद्दीन सिद्दीकी भी खो गये और फिर सियासत के फलक से जलालुद्दीन सिद्दीकी भी आउट हैं। इन दिनों वो कहां है क्या कर रहे हैं ये सियासत वालों को भी खबर नहीं है। बताया ये जाता है कि फिलहाल वो व्यापार में बिजी हैं।

राशिद मलिक का बढ़ाया मयार और वो सीन से हो गये बाहर

करंट क्राइम। राशिद मलिक शहर की मुस्लिम राजनीति का जाना पहचाना चेहरा हैं। उनका परिवार समाज में एक प्रतिष्ठा रखता है। राशिद मलिक सपा के जिला अध्यक्ष रहे हैं और लोनी से चुनाव भी लड़ा है। सपा सरकार में जिलाध्यक्ष रहे। विपक्ष में जिलाध्यक्ष रहे। लेकिन फिर पता नहीं क्या हुआ कि जिस सपा ने राशिद मलिक का मयार बढ़ाया राशिद मलिक उसी सपा की साईकिल से उतरे हुए दिखाई देते हैं। वो फिलहाल सियासत के सीन से बाहर हैं। अब राजनीति से उनका मोहभंग दिखाई देता है। सपा का ये मुस्लिम चेहरा अब सियासी मंचों पर भी नहीं दिखाई देता है।

फैसल हुसैन की पारी तो अभी शुरू हुई है

करंट क्राइम। फैसल हुसैन सपा के जिलाध्यक्ष हैं, पेशे से अधिवक्ता हैं और उन्हें खानदानी समाजवादी कहा जा सकता है। उनके पिता साजिद हुसैन सपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं। डासना नगर पालिका चेयरमैन रहे है और स्व0 मुलायम सिंह यादव के नजदीकी नेताओं में उनकी गिनती होती है। फैसल हुसैन की पारी अभी शुरू हुई है और उन्हें कम उम्र में जिलाध्यक्ष वाली कुर्सी मिली है। उनके इरादे बढ़े हैं शालीन तरीके से सियासत करने का अंदाज आने वाली राजनीति में उन्हें उम्मीदें प्रदान कर रहा है।

भाजपा के शौकत कुरैशी को कब देगी भाजपा एक मौका

करंट क्राइम। शौकत कुरैशी भाजपा के वो पुराने मुस्लिम नेता हैं जो राम मंदिर आंदोलन से जुड़े हैं। इस चेहरे ने तब भाजपा का झंडा उठाया है जब भाजपा की ना लहर थी और ना सरकार थी। भाजपा का ये मुस्लिम चेहरा लहर और सरकार के बाद भी कृपा से वंचित है। भाजपा में शौकत कुरैशी की राजनीति हाशिये पर है। भाजपा अपने इस पुराने वफादार मुस्लिम चेहरे पर कब कृपा करेगी ये भी नहीं मालूम। अल्पसंख्यक आयोग से लेकर बोर्ड तक उनका नाम नहीं आया है। भाजपा को अपने इस पुराने चेहरे को कृपा से तो नवाजना ही चाहिए।

मुरादनगर का सियासी फेस हैं परवेज

करंट क्राइम। मुरादनगर की राजनीति में परवेज चौधरी भी ऐसा नाम हैं जो मुद्दों पर आधारित राजनीति करते हैं। मुरादनगर के प्रतिष्ठित परिवार से आते हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इस चेहरे से उम्मीदें लगायी जा सकती हैं और राजनीति का ये चेहरा भी फिलहाल हाईकमान की उपेक्षा का शिकार लगता है।

गायब है राजनीति की गली से कुंवर अयूब अली

करंट क्राइम। कुंवर अयूब अली गाजियाबाद की राजनीति का जाना पहचाना नाम हैं। बसपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। रालोद के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। पेशे से अधिवक्ता कुंवर अयूब अली इन दिनों सक्रिय राजनीति से आउट हैं। उनके पारिवारिक कारण भी ऐसे रहे कि उन्हें सक्रिय राजनीति से खुद को अलग करना पड़ा लेकिन अब सबकुछ सही होने के बाद यह चेहरा फिलहाल गाजियाबाद की राजनीति से आउट है।

गाजियाबाद में मुस्लिम राजनीति अपनी धार खो रही है। मुस्लिम राजनीति के चेहरे सियासत के फलक से आउट हो रहे हैं। जो विधायक रहे हैं वो सियासी फ्रेम में नहीं है। जो मौजूदा समय में किसी तरह से जनप्रतिनिधि वाले फ्रेम में है वो भी साइलेंट मोड पर हैं। ये सीन लगभग सभी दलों में चल रहा है।

कांग्रेस के नसीम खान बन सकते हैं फायर ब्रांड लीडर

करंट क्राइम। कांग्रेस की बात करें तो उनके पास नसीम खान एक ऐसे नेता के रूप में है जो बेबाक तरीके से अपनी राय रखते हैं। वो मुद्दो को लेकर सोशल मीडिया पर लिखते भी हैं कांग्रेस की बैठकों में भी शामिल होते हैं। कांग्रेस का ये नेता गाजियाबाद में फायर ब्रांड नेता बन सकता है लेकिन इसके लिए कांग्रेस हाईकमान वाले बारूद की जरूरत होगी। यदि कांग्रेस इस मुस्लिम नेता को ताकत देती है तो यहां कांग्रेस एक नई मुस्लिम लीडरशिप पैदा कर सकती है।

जब से लगी उम्मेद पर रासुका तब से उनका सियासी सूखा

करंट क्राइम। उम्मेद पहलवान लोनी के नेता हैं। लोनी की मुस्लिम राजनीति में अपनी दखल भी रखते है और अपनी पकड़ भी रखते हैं। लेकिन एक मामले में जब उम्मेद पहलवान पर रासुका लगी उसके बाद से ही वो सियासी सूखे में हैं। लोनी के मुद्दों पर भी वो खामोश ही रहते हैं। खुद को आंदोलन से भी दूर रखते हैं और फिलहाल पोलिटिक्ल एक्टिविटी से भी कोई कनेक्टिविटी नहीं है।

जाकिर अली सैफी नेता क्रान्तिकारी पर फिलहाल लाचारी

करंट क्राइम। जाकिर अली सैफी उन मुस्लिम नेताओं में हैं जो सामप्रदायिक सदभाव की मिसाल हैं। वो मुद्दों को लेकर मोर्चा खोलते हैं और दिल से राजनीति करते हैं। नाले में बच्चों के डूबने का मामला हो या फिर इलाके की सफाई का मामला हो। स्कूल की अव्यवस्था का मामला हो या निगम की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे का मामला हो। जाकिर अली सैफी हमेशा से मोर्चा खोलते हैं। कांग्रेस से लेकर सपा तक उनका कई बार मुद्दों को लेकर टकराव हुआ है और उनकी साफगोई ने उन्हें नुकसान पहुंचाया है। फिलहाल वो आम आदमी पार्टी में हैं और कितने हैं ये बात आम नहीं है लेकिन क्रान्तिकारी नेता किसी सियासी लाचारी में हैं क्योंकि अब वो मोर्चा नहीं खोलते। जाकिर अब सीन से आउट हैं और उनकी सक्रियता को लेकर डाउट है।

गाजियाबाद में कब होगा सीएम के वीआईपी कल्चर खत्म करने वाले आदेश का असर

निजी गाड़ियों पर लगी है लाल-नीली बत्ती, हूटर और सरकारी स्टीकर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों सरकारी अधिकारियों और उनके निजी वाहनों से बत्ती, सरकारी स्टीकर और हूटर- प्रेशर हॉर्न हटाने का निर्देश दिया था। इस निर्देश का असर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारियों के वाहनों पर देखने को मिला, लेकिन अभी नगर निगम, जिला मुख्यालय, जिला अस्पताल और सार्वजनिक स्थानों पर दर्जनों ऐसे वाहन देखे जा सकते हैं जो वीवीआईपी प्रोटोकॉल को खत्म करने के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं। मंगलवार को दैनिक करंट क्राइम की टीम ने कुछ स्थानों का लाइव पड़ताल की। जहां लग्जरी वाहनों पर लाल नीली-बत्ती लगी मिली। तो वहीं हूटर और उत्तर प्रदेश सरकार के स्टीकर वीआईपी कल्चर का रौब जमा रहे थे। हालांकि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अधिकारी कहते हैं कि यह अभियान शुरू कर दिया गया है लेकिन अभी प्राइवेट लोगों पर ही अधिक फोकस किया जा रहा है।

करंट क्राइम लाइव

अधिकारियों के परिवार जन और रिश्तेदार हो जाएं अलर्ट

करंट क्राइम : मंगलवार को नगर निगम के परिसर में कई ऐसी गाड़ियां खड़ी थी, जिन पर उत्तर प्रदेश सरकार के स्टीकर लगे हुए थे। तो कई पर नीली बत्ती भी लगी मिली। इसी के साथ जिला मुख्यालय की पार्किंग में प्राइवेट वाहनों पर सरकारी पदनाम वाले स्टीकर और हूटर लगी गाड़ी भी देखी गई है। फिलहाल अभी इस मामले में यातायात पुलिस ने जिस तरीके का एक्शन मूड होना चाहिए वह अख्तियार नहीं किया है। वहीं विभाग के सूत्र बता रहे हैं कि अभी आने वाले दिनों में पुलिस ऐसे निजी वाहनों को अधिक टारगेट करेगी, जो किसी अधिकारी के परिजन एवं रिश्तेदारों के हो और उनमें पदनाम, हूटर और बत्ती का इस्तेमाल किया जा रहा हो और खुद को वीवीआईपी प्रदर्शित किया जा रहा हो।

कलेक्ट्रेट परिसर में सबसे ज्यादा नजर आता है वीआईपी कल्चर

करंट क्राइम : जिला मुख्यालय जहां गाजियाबाद के तमाम प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालय हैं। वहीं पर प्रतिदिन वीवीआईपी कल्चर सबसे ज्यादा नजर आता है। सुबह से लेकर देर शाम तक दर्जनों ऐसे वाहन नजर आते हैं जो दिखने में निजी लगते हैं, लेकिन उन पर बत्ती सरकारी, स्टीकर और हूटर का इस्तेमाल बताता है कि यहां बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए वीआईपी कल्चर खत्म करने के आदेशों का खुला उल्लंघन जमकर चल रहा है।

मेरठ तक पहुंचेगी इसी महीने नमो भारत ट्रेन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेनों को अब मेरठ साउथ स्टेशन तक चलाने की अनुमति मेट्रो रेलवे सेफ्टी टीम ने दे दी है। माना जा रहा है कि इस महीने के आखिर तक नमो भारत ट्रेनें मेरठ तक पहुंच जाएंगी। बस केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने का इंतजार हो रहा है।

पहले फेज में गाजियाबाद में चल रही ट्रेनें : दिल्ली से मेरठ तक रैपिड रेल कॉरिडोर की लंबाई 72 किलोमीटर है। पहले फेज में इसका संचालन गाजियाबाद में साहिबाबाद स्टेशन से दुहाई डिपो तक हुआ। अक्टूबर-2023 में पीएम नरेंद्र मोदी ने गाजियाबाद आकर इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया था।

पहले फेज में गाजियाबाद में चल रही ट्रेनें : दिल्ली से मेरठ तक रैपिड रेल कॉरिडोर की लंबाई 72 किलोमीटर है। पहले फेज में इसका संचालन गाजियाबाद में साहिबाबाद स्टेशन से दुहाई डिपो तक हुआ। अक्टूबर-2023 में पीएम नरेंद्र मोदी ने गाजियाबाद आकर इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया था।

मेट्रो रेलवे सेफ्टी कमिश्नर ने दी हरी झंडी, उद्घाटन के लिए केंद्र से डेट का इंतजार

रेलवे सेफ्टी टीम की निरीक्षण प्रक्रिया पूरी : NCRTC के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि मेट्रो रेलवे सेफ्टी टीम की निरीक्षण प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसी महीने के आखिर तक ट्रेनों को मेरठ साउथ स्टेशन तक चलाने की उम्मीद है।

अब दूसरे फेज में मोदीनगर से मेरठ साउथ स्टेशन तक का काम पूरा हो चुका है। पिछले दो महीने से यहां मेट्रो रेलवे सेफ्टी टीम निरीक्षण कर रही थी। अब इस टीम ने अपनी रिपोर्ट ओके दे दी है। जिसके बाद नमो भारत ट्रेनों को मेरठ साउथ स्टेशन तक चलाने का रास्ता साफ हो गया है।

संपादकीय

शांति का लक्ष्य पाने में व्यवहारिक दिक्कतें

यूक्रेन शांति सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था। रूस इसे व्यर्थ की कवायद करार भी दे चुका है। ऐसे में सम्मेलन के साझा बयान में कही गई बातें सांकेतिक महत्व की ही मानी जाएंगी। व्यवहार में इनका कोई मतलब तभी हो सकता है जब युद्ध में शामिल दोनों देश इसे स्वीकार करने पर सहमत हों। स्विट्जरलैंड में हुआ अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द से जल्द समाप्त करने की इच्छा और जरूरत को रेखांकित करते हुए संपन्न हुआ। हालांकि सम्मेलन में शामिल भारत जैसे कई देशों के साझा बयान पर हस्ताक्षर न करने से यह स्पष्ट हो गया कि सम्मेलन की भावना चाहे जितनी भी नेक रही हो, शांति का लक्ष्य हासिल करने में अभी ढेरों व्यावहारिक दिक्कतें हैं। इस सम्मेलन में 90 से ज्यादा देशों का शामिल होना एक पॉजिटिव संकेत कहा जाएगा। इससे यह साफ होता है कि दुनिया का कितना बड़ा हिस्सा यूक्रेन में शांति स्थापित होने की जरूरत को कितनी शिद्दत से महसूस कर रहा है। मगर शांति स्थापित होने की इच्छा जताना एक बात है और शांति स्थापित हो जाना बिल्कुल अलग बात है।

भारत ने अपने रुख के जरिए व्यवहार और सिद्धांत के इसी फर्क की ओर संकेत किया है। यह सम्मेलन हो या शांति की दिशा में किया गया इस तरह का कोई भी दूसरा प्रयास, उसकी अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे तमाम प्रयासों के पीछे काम कर रहे अलग-अलग विचारों, मतों और दृष्टिकोणों को समझने की कोशिश भी निरंतर जारी रहनी चाहिए। किसी तरह का हल या शांति का कोई फॉर्म्युला इसी प्रक्रिया से निकलेगा। भारत ने स्पष्ट किया कि सम्मेलन में शामिल होने के पीछे उसकी यही सोच थी। सम्मेलन में अपने रुख से भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि वह अपने राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति पर कायम है। गौर करने की बात है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही चीन और भारत के रुख पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी रही हैं। चीन स्पष्ट तौर पर रूस के साथ खड़ा दिखता रहा है। लेकिन भारत ने साफ किया कि वह शांति का पक्षधर है।

पीएम मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन को भी साफ-साफ कह चुके हैं कि यह युद्ध का दौर नहीं है। इस बार भी जहां चीन सम्मेलन से दूर रहा, वहीं भारत ने बेहिचक सम्मेलन में शिरकत की, लेकिन स्पष्ट किया कि वह किसी भी एक पक्ष में खड़ा दिखने के बजाय दोनों युद्धरत देशों के बीच बातचीत और सहमति के प्रयासों को ज्यादा तवज्जो देता है।

तृणमूल सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सेबी के अधिकारियों से मिला

बाजार में कथित हेराफेरी की जांच की मांग

नई दिल्ली। सेबी के अधिकारियों से मिलने वाले तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष और साकेत गोखले शामिल थे। उनके साथ शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत और एनसीपीएसपी की पूर्व विधान पार्षद विद्या चौहान भी सेबी अधिकारियों से मिले।

तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के अधिकारियों से मुलाकात कर शेयर बाजार में कथित हेरफेर में जांच कराने की मांग की। विपक्ष नेताओं ने इस महीने की शुरूआत में एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। सेबी के अधिकारियों से मिलने वाले तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष और साकेत गोखले शामिल थे।

उनके साथ शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सावंत और एनसीपीएसपी की पूर्व विधान पार्षद विद्या चौहान भी सेबी अधिकारियों से मिले। स्टॉक में कथित हेरफेर की शिकायत सेबी से करने पर शिव सेना (यूबीटी) नेता अरविंद सावंत ने कहा कि जिन एजेंसियों के कारण आम आदमी के 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ वही एजेंसियां एफआईआई और एग्जिट पोल के लिए काम कर रही हैं।

उनके साथ ये जुड़ाव एक गंभीर बात है जिसकी जांच होनी चाहिए। मुंबई में टीएमसी, यूबीटी और एनसीपी नेताओं ने कथित शेयर बाजार में हेरफेर को लेकर सेबी के बाहर विरोध प्रदर्शन और नारे भी लगाए। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने इससे पहले मंगलवार को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। पवार ने इस महीने की शुरूआत में एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में कथित हेरफेर की जांच की तृणमूल की मांग का समर्थन किया था।

लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल के जरिए शेयर बाजार में हेरफेर का आरोप लगाकर जांच की मांग की थी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सबसे बड़े शेयर बाजार घोटाले में सीधे तौर पर शामिल हैं। कांग्रेस नेता ने इसे शेयर बाजार का सबसे बड़ा घोटाला बताया था। उन्होंने कहा था कि इस महीने की शुरूआत में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बाजार में गिरावट के कारण खुदरा निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हालांकि भाजपा ने विपक्षी नेताओं के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था।

सेबी के अधिकारियों से मुलाकात के बाद तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि सेबी का शानदार इतिहास रहा है। हमें सेबी पर भरोसा है इसलिए हमने नियामक से एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में किए गए हेरफेर की जांच की मांग की है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की है कि एग्जिट पोल लाने वाले एजेंसियों और राजनेताओं के साथ कोई संपर्क है या नहीं इसकी भी जांच होनी चाहिए।

तृण सांसद ने कहा कि एग्जिट पोल के बाद 3 जून को शेयर बाजार में बढ़त दिखी थी। उसके बाद चुनाव परिणाम के दिन 24 घंटे में ही बाजार धराशाई हो गया और निवेशकों को करीब 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि इससे कुछ राजनेताओं के परिवारों ने करोड़ों रुपये की कमाई की।

खपत बढ़ाने के लिए कर दरें घटा सकती है सरकार

सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान की होगी भरपाई

नई दिल्ली। व्यक्तिगत कर में कटौती से अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा मिलने के साथ मध्य वर्ग की बचत में भी इजाफा हो सकता है। साथ ही, इससे सालाना 15 लाख रुपये कमाने वाले व्यक्तियों को कर में राहत मिलने की उम्मीद है।

सरकार जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में कुछ श्रेणियों में व्यक्तिगत कर दरों में कटौती पर विचार कर रही है। इससे देश में खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कर कटौती से सरकार के खजाने को होने वाले नुकसान की आंशिक भरपाई इस श्रेणी के व्यक्तिगत करदाताओं में खपत बढ़ाकर की जा सकती है। चुनाव बाद सर्वेक्षण से पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने भले ही तीसरी बार सत्ता में वापसी की है, लेकिन मतदाताओं में उच्च महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी और घटती आय को लेकर चिंता से भाजपा को बहुमत नहीं मिला। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 22 जुलाई को पूर्ण बजट पेश कर सकती हैं। मध्य वर्ग को बचत बढ़ाने में मिलेगी मदद व्यक्तिगत कर में कटौती से अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा मिलने के साथ मध्य वर्ग की बचत में भी इजाफा हो सकता है। साथ ही, इससे सालाना 15 लाख रुपये कमाने वाले व्यक्तियों को कर में राहत मिलने की उम्मीद है। 15 लाख रुपये तक की सालाना आय पर अभी 5 से 20 फीसदी तक कर लगता है।

विकास दर बढ़ाने में खपत की बड़ी भूमिका

चुनाव बाद सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2023-24 के दौरान भारतीय जीडीपी 8.2 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ी। इस वृद्धि में खपत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कर दरों में कटौती से खपत बढ़ती है तो इससे जीडीपी को समर्थन मिलेगा।

टाटा अब खरीदेगी वीवो की नोएडा स्थित फैक्ट्री, रिपोर्ट में हुआ दावा

नई दिल्ली। डिक्सन ने विवो के साथ संयुक्त उद्यम के लिए प्रारंभिक चर्चा की पुष्टि की, जो ट्रांसियन होल्डिंग्स के साथ पिछले सौदे के समान है। अप्रैल में डिक्सन ने ट्रांजिशन की इस्मार्ट इंडिया इकाई में 238.36 करोड़ रुपये में 50.10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना की घोषणा की थी जिसका लक्ष्य अंततः अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर लगभग 55 प्रतिशत करना था। चीनी स्मार्टफोन दिग्गज कंपनी वीवो अगले महीने यानी जुलाई में संभावित तौर पर भारत में सबसे बड़ी मोबाइल फोन विनिर्माण सुविधा खोलने की तैयारी में है। ये जानकारी इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में सामने आई है। ये संयंत्र ग्रेटर नोएडा में स्थित है, जिसकी वार्षिक क्षमता 120 मिलियन डिवाइस की है। इस संयंत्र को 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्थापित किया गया है। विवो अपने विनिर्माण कार्यों के प्रबंधन के लिए सक्रिय रूप से एक भारतीय भागीदार की तलाश कर रहा है। टाटा समूह, मुरुगप्पा समूह और भारतीय अनुबंध निर्माता डिक्सन टेक्नोलॉजीज सहित कई संभावित भागीदारों के साथ चर्चा की गई है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड बढ़त

सेंसेक्स 308 अंक चढ़ा, निफ्टी 23550 के पार

नई दिल्ली। मंगलवार को फीनिक्स मिल्स और महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के शेयरों में बढ़त से निफ्टी रियल्टी में 1.9% की बढ़ोतरी हुई। आईटी कंपनी विप्रो की ओर से हैन्सब्रांड्स के साथ अपना अनुबंध बढ़ाने और जीबीएसटी के साथ एक नए अनुबंध की घोषणा करने के बाद कंपनी के शेयर 3% से अधिक उछले। निफ्टी आईटी इंडेक्स कुल मिलाकर 0.6% बढ़ा। बैंकिंग और आईटी शेयरों में बढ़त और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुझानों से प्रेरित होकर भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों निफ्टी50 और सेंसेक्स ने मंगलवार को तीसरे दिन अपना रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 308 अंक या 0.40% बढ़कर 77,301 पर बंद हुआ। व्यापक एनएसई निफ्टी 92 अंक या 0.39% बढ़कर 23,558 पर बंद हुआ।

इस बीच, बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.42 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 437.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। सेक्टोरल मोर्चे पर फीनिक्स मिल्स और महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के शेयरों में बढ़त से निफ्टी रियल्टी में 1.9% की बढ़ोतरी हुई। आईटी कंपनी विप्रो की ओर से हैन्सब्रांड्स के साथ अपना अनुबंध बढ़ाने और जीबीएसटी के साथ एक नए अनुबंध की घोषणा करने के बाद कंपनी के शेयर 3% से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी आईटी इंडेक्स कुल मिलाकर 0.6% बढ़ा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में मजबूती के कारण निफ्टी बैंक इंडेक्स भी 0.9% बढ़कर बंद हुआ। व्यापक बाजार में, निफ्टी स्मॉलकैप 1.1% बढ़ा, जबकि निफ्टी मिडकैप100 0.5% चढ़ा। एकल शेयरों में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स 6% से अधिक ऊपर बंद हुआ। कंपनी ने घोषणा की है कि रक्षा मंत्रालय ने 156 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों (एलसीएच) के लिए प्रस्ताव (आरएफपी) के लिए अनुरोध जारी किया है।

राशिफल

मेष: नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृष: नजदीकी वातावरण सुखद रहेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा।

मिथुन: यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा।

कर्क: पुराना रोग परेशानी तथा बाधा का कारण बन सकता है। लापरवाही न करें। फालतू खर्च होगा। आर्थिक परेशानी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह: यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

कन्या: नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन संभव है। लंबित कार्य पूर्ण होने के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला: राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। सहकर्मी साथ देंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है।

वृश्चिक: चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि संभव है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

धनु: कानूनी बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी सहयोग करेंगे।

मकर: स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। प्रमाद न कर भरपूर प्रयास करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मित्रों तथा परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। शोध इत्यादि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

मीन: नौकरी में तनाव रहेगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाएंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें।

चुटकुले

संता (वकील से)- मुझे अपनी पत्नी से तलाक चाहिए
वकील - क्यों?
संता- वो पिछले 5 महीने से मुझसे बात नहीं कर रही
वकील- एक बार फिर अच्छी तरह सोच लो ऐसी पत्नी बार-बार नहीं मिलती।

बाहर सब्जी वाला चिल्ला रहा था... 20 रुपये का फूलगोभी का जोड़ा
यह सुनकर सोनू उदास हो गया और मोनू से बोला- बताओ, फूलगोभी का भी जोड़ा है, बस हम ही अकेले हैं।

एक लड़का भागते हुए लड़की के पास आया और बोला- मैं तुमसे दोस्ती करना चाहता हूं...
लड़की- तो हमारी दुश्मनी कब थी भैया?
लड़का बेहोश।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया में समुद्र में सबसे ज्यादा गहराई मरिआना ट्रेंच में है जो पेसिफिक समुद्र में है। इसकी गहराई 35,797 फीट है।
- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है।
- न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- सूर्य द्वारा छोड़े गए 800 अरब से ज्यादा न्यूट्रॉन आपके शरीर में से गुजर गये होंगे जब तक आपने यह वाक्य पढ़ा होगा।
- सहारा रेगिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है जो 3500,000 २०.माइल्स में फैला है।
- कुत्ते के सूंघने की क्षमता इंसान से 1000 गुना ज्यादा होती है।
- विश्व की सबसे भारी धातु ऑस्मियम है। इसकी 2 फुट लंबी, चौड़ी व ऊँची सिल्ली का वजन एक हाथी के बराबर होता है।
- पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने के लिए राकेट को 7 माइल्स प्रति सेकंड से जाना पड़ता है।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

19 06 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

राहुल गांधी
राजनेता

डॉ. मंजू शिवाच
विधायक मोदीनगर

तनिष्क पंडित

अंशिका चौधरी

कविता त्यागी

हर्षित गोयल

राहुल गोयल

चेतन चौहान

यथार्थ शर्मा

रूपेश त्यागी

हितेश हिन्दू

प्रदीप यादव

रामकुमार शर्मा

उत्कर्ष कुमार

सचिन त्यागी

संजीव

प्रमोद बघेल

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

रोहित को टीम इंडिया से सुपर आठ में विशेष प्रदर्शन की उम्मीद

टीम को समूह में जाने और कुछ विशेष करने की उत्सुकता

बारबाडोस। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी 20 विश्व कप में सुपर आठ चरण में अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले टीम के सामूहिक प्रयास पर जोर दिया है ताकि भारतीय टीम टूर्नामेंट पर महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ सके। भारत ने ग्रुप चरण में अपराजित रहते हुए सुपर आठ में जगह बनायी है। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया है जबकि कनाडा के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच बारिश के कारण रद्द रहा था। भारत ग्रुप ए में अपराजित रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर रहा। भारतीय टीम सुपर आठ के शुरूआती मुकाबले से पहले बारबाडोस पहुंची ताकि वह वहां मौसम से अभ्यस्त हो सके और अपनी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित कर सके। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में, रोहित ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए टीम की उत्सुकता पर प्रकाश डाला। समूह में जाने और कुछ विशेष करने की वास्तविक उत्सुकता है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि हर कोई

सुपर आठ चरण में भारत के लिए मैच शेड्यूल:

20 जून: भारत बनाम अफगानिस्तान, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस
22 जून: भारत बनाम बांग्लादेश, सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, एंटीगा
24 जून: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम, सेंट लूसिया

बदलाव लाना चाहता है और हम अपने कौशल सत्रों को काफी गंभीरता से लेते हैं। आप जो भी कौशल सत्र करते हैं उसमें हासिल करने के लिए कुछ न कुछ होता है। आगामी कार्यक्रम की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, भारतीय कप्तान ने सुपर 8 चरण की मांगों से निपटने के लिए टीम की तैयारी पर ध्यान दिया। ₹एक बार जब हम पहला मैच खेल लेते हैं, तो हम 3-4 दिनों में अगले दो मैच खेलेंगे। यह थोड़ा व्यस्त होने वाला है लेकिन हम इस सब के आदी हैं। हम यात्रा करते हैं और बहुत खेलते हैं इसलिए यह कोई बहाना नहीं होना चाहिए। उनके कौशल और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बोलते हुए, विशेष रूप से स्थानीय परिस्थितियों से उनकी परिचितता को देखते हुए, रोहित ने कहा, हम अपने कौशल पर ध्यान केंद्रित करेंगे और एक टीम के रूप में हमें क्या करने की जरूरत है। हमने बहुत सारे मैच खेले हैं यहां हर कोई समझता है कि उन्हें क्या करने की जरूरत है। हर कोई उत्सुक है और साथ ही उत्साहित भी है। भारत का सुपर आठ अभियान 20 जून को ब्रिजटाउन, बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के साथ शुरू होगा। इसके बाद दो दिन बाद एंटीगा में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला होगा और वे 24 जून को सेंट लूसिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के साथ सुपर 8 चरण का समापन करेंगे।

यह भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण में से एक है : पीयूष चावला

नई दिल्ली। मौजूदा टी 20 विश्व कप में भारत के आलराउंड प्रदर्शन को चौतरफा सराहना मिल रही है और पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण को सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया है। चावला ने जोर देकर कहा कि भारत का गेंदबाजी आक्रमण हाल के वर्षों में बदला है और विश्व स्तरीय बन गया है। अनुभवी गेंदबाज ने इसे एक महान गेंदबाजी इकाई बनाने के लिए स्पिनरों कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल के साथ-साथ जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या की तेज गेंदबाज चौकड़ी को श्रेय दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने टी20 विश्व कप में अब तक पाकिस्तान के खिलाफ मेगा मुकाबले सहित कम स्कोर वाले मुकाबलों में

शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले कुछ वर्षों से, भारत का गेंदबाजी आक्रमण वास्तव में बदल गया है। अब हमारे पास दुनिया की सबसे पूर्ण और मजबूत गेंदबाजी इकाइयों में से एक है जिसने टीम को संतुलन प्रदान किया है जिससे बल्लेबाजों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने की अधिक स्वतंत्रता मिली है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हमारी बल्लेबाजी ध्वस्त हो गई और हमारे गेंदबाज ही थे जिन्होंने उन्हें लाइन पर ला दिया।" चावला ने डिज्नी+हॉटस्टार पर 'कॉट एंड बोल्ड' शो में कहा, ऐसे कई मौके आए हैं जब हमारे गेंदबाजों ने आगे बढ़कर हमारे बल्लेबाजों से ज्यादा योगदान दिया।

जसप्रीत बुमराह-मोहम्मद सिराज-हार्दिक पांड्या-अर्शदीप सिंह की घातक तेज गेंदबाजी और कुलदीप यादव-युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल जैसे शीर्ष स्पिनरों के साथ यह निश्चित रूप से भारत के सर्वकालिक महान गेंदबाजी आक्रमण में से एक है।

तीन जीत और कनाडा के खिलाफ मैच धुलने के साथ, भारत सात अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और सुपर आठ में उसका सामना अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से होगा। अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में, मैन इन ब्लू गुरुवार, 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान से भिड़ेंगे।

बीसीसीआई टीम इंडिया के प्रमुख कोच के लिए गंभीर का साक्षात्कार लेगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पुरुष क्रिकेट टीम के प्रमुख कोच पद के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर का साक्षात्कार लेगा। सूत्रों ने बताया कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और अन्य अधिकारी यह साक्षात्कार लेंगे। बीसीसीआई के निकटस्थ सूत्र ने आईएनएस से कहा," गौती (गौतम गंभीर) आज बीसीसीआई मुख्यालय में साक्षात्कार के लिए लगभग 12 बजे मुम्बई पहुंचेंगे। इस बात की लगभग पुष्टि हो गयी है कि वह टीम इंडिया के अगले मुख्य कोच होंगे। बीसीसीआई ने गंभीर द्वारा पेश की गयी शर्तों को मान लिया है और मुख्य

कोच की जानकारी जल्द ही सामने आ जायेगी। बैठक 2 से 4 के बीच होनी निर्धारित है।" गंभीर ने मुख्य कोच पद के लिए कुछ मांगे बीसीसीआई के सामने रखी हैं जैसे टीम पर पूरा नियंत्रण, सफेद और लाल गेंद के लिए अलग-अलग टीमें, जो आईएनएस समझता है कि बीसीसीआई ने मान ली हैं और उन्हें नियुक्त करने के लिए उत्सुक है। बीसीसीआई ने मुख्य कोच पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे जिसकी समय सीमा 27 मई थी। नौकरी विवरण के अनुसार, नया भारतीय पुरुष मुख्य कोच जुलाई 2024 से दिसंबर 2027 तक तीनों प्रारूपों के लिए होगा। भारत के मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ का मूल अनुबंध नवंबर में 2021 टी20 विश्व कप के बाद शुरू हुआ था और घरेलू मैदान पर 2023 वनडे विश्व कप के साथ समाप्त हो गया था और इसे इस साल के टी20 विश्व कप टूर्नामेंट तक बढ़ा दिया गया था।

यदि वेस्ट इंडीज की पिचें टर्न लेती हैं तो कुलदीप विकेट निकाल सकते हैं : फ्लेमिंग

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विकेट लेने वाला गेंदबाज बताते हुए कहा है कि वह वेस्ट इंडीज की टर्न लेती पिचों पर सुपर आठ में कहर बरपा सकते हैं। भारत ने ग्रुप चरण मैचों में आलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को स्पिनर के रूप में रखा है। अक्षर ने तीन विकेट लिए हैं जबकि जडेजा न्यूयॉर्क चरण में विकेट रहित रहे हैं और फ्लोरिडा में कनाडा के खिलाफ मैच बारिश के कारण धुल गया था। फ्लेमिंग ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो टाइमआउट शो' में कहा, हाँ, मुझे ऐसा लगता है, लेकिन उनके पास अभी भी वह अवसर है कि वे दोनों काम कर सकें। आप खेलने के एक तरीके में इतने सेट नहीं हो सकते हैं कि आप परिस्थितियों का लाभ उठाने के अवसर चूक जाएं लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि अगर विकेट टर्न प्रदान करते हैं तो शायद कुलदीप विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता प्रदान करने के लिए आएंगे क्योंकि उनका थोड़ा अधिक उपयोग हो जाता है और आप टूर्नामेंट के अंत के करीब पहुँच जाते हैं।"

भारत के टीम संयोजन पर टिप्पणी करते हुए, अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि भारत के पास किसी भी स्थिति में खेलने के लिए सभी आधारों के साथ एक संतुलित टीम है। उन्होंने कहा, जायसवाल एक अच्छे खिलाड़ी हैं, जबकि उन्हें कुछ कठिन निर्णय लेने पड़े, जिससे शीर्ष गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों को छोड़ना हमेशा मुश्किल होता है और जब आपके पास अच्छे खिलाड़ी बैठे हों तो एक योजना बनाना

और उस पर टिके रहना हमेशा बहुत मुश्किल होता है, लेकिन उन्होंने जो काम किया है, वह मुझे पसंद है।

उन्होंने इसमें सफलता हासिल की है। मेरे विचार से यह एक ऐसी टीम है जिसे कुछ मायनों में फाइनल के लिए चुना गया है, यह एक ऐसी टीम है जिसके पास स्पिनर हैं जो हावी हो सकते हैं। इसमें ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिन पर हावी हो सकते हैं और हमने देखा है कि वेस्ट इंडीज में स्पिन काफी बड़ी भूमिका निभाती है, न्यूयॉर्क में इतनी बड़ी भूमिका नहीं निभाती।" फ्लेमिंग ने कहा, ₹तो, मुझे लगता है कि उन्होंने अपना काम पूरा कर लिया है और उनके दिमाग में काफी चतुराई भरी सोच है।

ऐसा लगता है कि राहुल और लड़कों ने कुछ ऐसा ही किया है, उन्होंने एक ऐसी टीम चुनी है जिसके बारे में उन्हें लगता है कि यह एक टर्निंग ट्रैक पर खेल सकती है, इससे हमें शीर्ष पर अपना सर्वश्रेष्ठ मौका मिलेगा और इसमें अच्छा संतुलन होगा।" भारत आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ लगातार तीन जीत सहित सात अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम गुरुवार, 20 जून को बारबाडोस में अपने पहले सुपर आठ मैच में अफगानिस्तान से भिड़ेगी।

पूरन शतक से चूके लेकिन विंडीज ने अफगानिस्तान को 104 रन से हराया

पूरन ने अमेरिका के आरोन जोंस कनाडा के खिलाफ बनाये गए नाबाद 94 रन

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)। निकोलस पूरन की 98 रन की जबरदस्त पारी और ओबेद मैकॉय के तीन विकेटों की बदौलत सह मेजबान वेस्ट इंडीज ने अफगानिस्तान को टी 20 विश्व कप के अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारतीय समयानुसार मंगलवार को 104 रन से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किये जाने पर पूरन के 53 गेंदों पर 98 और चार्ल्स जॉनसन के 27 गेंदों पर 43 रन की बदौलत वेस्ट इंडीज ने पांच विकेट पर 218 रन का मजबूत स्कोर बनाया जो टी 20 विश्व कप के इस संस्करण में किसी भी टीम का सर्वाधिक स्कोर है। विंडीज ने श्रीलंका के नीदरलैंड्स के खिलाफ 201/6 और ऑस्ट्रेलिया के इंग्लैंड के खिलाफ 201/7 के स्कोर को पीछे छोड़ा। पूरन के शानदार 98 रन मौजूदा विश्व कप में किसी खिलाड़ी का सर्वाधिक निजी स्कोर है। ९को पीछे छोड़ा। उन्होंने पुरुष टी 20 इतिहास में किसी वेस्ट इंडीज के खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक छक्के उड़ाने के रिकॉर्ड को तोड़ा। पूरन ने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। विंडीज के विशाल स्कोर के जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रन पर सिमट गयी और उसे इस विश्व कप में पहली हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए विंडीज की शुरूआत तेज रही। हालांकि दूसरे ओवर में ब्रैंडन किंग (6 में 7) का विकेट मेजबान टीम की गति को रोक नहीं पाया। लेकिन, चार्ल्स और पूरन दोनों टॉप गियर में आ गए। चार्ल्स ने तीसरे ओवर में तीन चौके लगाए, जिसने पूरन को अंत के बदलाव के समय इस दुनिया से कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया। आईसीसी रिपोर्ट के अनुसार कीपर-बल्लेबाज ने अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर 36 रन बनाकर धमाका कर दिया - 6, 5 नोबॉल, 5वाइड, 0, 4लेग बाई, 4, 6, 6 पुरुषों के टी-20 इतिहास में यह पांचवीं बार है जब एक ओवर में 36 रन बने जबकि पुरुष विश्व कप में यह दूसरी बार है। उमरजई के ओवर की अंतिम गेंद पर छक्के से साझेदारी 50 तक पहुंची। इस जोड़ी ने आक्रमण जारी रखा और वेस्टइंडीज को छह ओवर में स्कोर 92/1 पहुंचा दिया, जो पुरुषों के टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। आठवें ओवर की समाप्ति पर दाएं हाथ के बल्लेबाज के आउट होने से पहले चार्ल्स की एक और बाउंड्री से विंडीज ने 7.4 ओवर में 100 रन का आंकड़ा छू लिया। इसने 80 रन की साझेदारी को समाप्त कर दिया जिसमें केवल छह ओवर लगे। मेजबान टीम ट्रिंक्स तक 113/2 पर पहुंच गई। शाई होप के कैमियो (17 गेंदों में 25) ने रन रेट को दोहरे अंक में बनाए रखने में मदद की, क्योंकि 14 वें ओवर में पूरन ने बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया- उनके 50 रन सिर्फ 31 गेंदों पर आये और यह टी 20 विश्व कप में उनका पहला अर्धशतक था।

12 से 15 ओवर के दौरान बाउंड्रीज नहीं लगीं, जिससे मेजबान टीम का रन रेट 10 से नीचे आ गया। अफगानिस्तान के गेंदबाज तब तक नियंत्रण में थे जब तक कि 16वें ओवर की शुरूआत में रोवमैन पॉवेल ने छक्का नहीं लगाया, जिससे विंडीज 150 के पार पहुंच गई।

पूरन ने 18वें ओवर में राशिद खान की गेंद पर 24 रन बनाए, जो उनके चार ओवरों में 0/45 के साथ समाप्त हुआ। 19वें ओवर में पॉवेल 15 गेंदों पर 26 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे आंद्रे रसेल क्रीज पर आए। रसेल का लक्ष्य पूरन को स्ट्राइक पर वापस लाना था, क्योंकि अंतिम ओवर की शुरूआत में वह शतक से 15 रन पीछे थे।

फर्ग्युसन की कंजूसी भरी घातक गेंदबाजी, न्यूजीलैंड ने पीएनजी को पीटा

तारोबा (त्रिनिदाद)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लौकी फर्ग्युसन (4-4-0-3) ने टी 20 इतिहास में सबसे ज्यादा कंजूसी भरा स्पैल डाला जिससे न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को सात विकेट से हराकर विश्व कप में अपना अभियान सुखद अंदाज में समाप्त किया। फर्ग्युसन ने इतिहास बनाते हुए चार ओवर के स्पैल में सभी ओवर मैडन डाले जो टी 20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार था। टी 20 इतिहास में यह पहला मौका था जब एक गेंदबाज ने मैच में लगातार 24 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया। इस गेंदबाजी के लिए फर्ग्युसन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। उन्होंने इसके अलावा तीन विकेट भी लिए। ट्रेंट बोल्ट (2-14), टिम साउदी (2-11) और ईश सोढ़ी (2-29) ने दो-दो विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने पीएनजी को ग्रुप सी मैच में 19.4 ओवर में मात्र 78 रन पर समेट दिया। चार्ल्स अमिनी 17 रनों के साथ पीएनजी के लिए शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि नॉर्मन वनुआ (14) और सेसे बाउ (12)

दोहरे आंकड़े तक पहुंचने वाले एकमात्र अन्य बल्लेबाज थे, क्योंकि ब्लैक कैप्स के गेंदबाज मैच में हावी रहे। जवाब में, डेवोन कॉनवे ने 32 गेंदों में 35 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड ने 12.2 ओवर में 79/3 का स्कोर बनाकर 46 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल कर ली। केन विलियमसन 18 (17 गेंद) रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि डेरिल मिशेल 12 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद रहे, क्योंकि न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप 2024 में लीग चरण में अंतिम मैच में जीत हासिल की। कॉनवे, जिन्होंने दो चौके और तीन छक्के लगाए, और कप्तान विलियमसन ने फिन एलन (0) और रचिन रवींद्र (6) के जल्दी आउट होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए पारी को संभाला। उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 34 रन जोड़े जिससे न्यूजीलैंड जीत की ओर अग्रसर हो गया। इस जीत के साथ, ब्लैक कैप्स ने दो जीत और दो हार से चार अंकों के साथ टी20 विश्व कप में अपनी भागीदारी समाप्त की क्योंकि वे सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे।

एस्टोनिया के साहिल चौहान ने 27 गेंदों में जड़ा टी20 अंतर्राष्ट्रीय का सबसे तेज शतक

नई दिल्ली। जेन-निकोल लॉफ्टी ईटन का टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 33 गेंदों में लगाए गए सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड चार महीनों से भी कम समय में ही टूट गया है। एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने साइप्रस के खिलाफ टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में केवल 27 गेंदों में शतक जड़ दिया। यह सभी प्रकार के टी20 क्रिकेट में भी लगाया गया सबसे तेज शतक भी हो गया है। इससे पहले क्रिस गेल ने आईपीएल 2013 में 30 गेंदों में शतक जड़ा था। चौहान ने अपनी पारी में कुल 18 छक्के लगाए और पुरुषों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। छह मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के पहले ही दिन दो मैच खेले गए जिसमें चौहान की बल्लेबाजी दोनों मैचों में काफी अलग रही। पहले मैच में वह पहली गेंद पर ही आउट हो गए थे, लेकिन उनकी टीम ने 195 रनों का लक्ष्य अंतिम ओवर में हासिल कर लिया था। पहला मैच खत्म होने के कुछ देर बाद ही दूसरा मैच शुरू हुआ और इसमें चौहान का अलग रूप देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करके हुए इस बार भी साइप्रस ने 191/7 का स्कोर खड़ा

किया था। एस्टोनिया ने केवल नौ रन के स्कोर पर ही अपने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, चौहान ने पहली तीन वैध गेंदों पर 6, 4 और 6 लगाए थे। सातवें ओवर तक उनकी टीम का स्कोर 60/4 था। चौहान ने मंगला गुनाशेकरा के ओवर में चार छक्के और एक चौका लगाते हुए केवल 14 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। आठवें ओवर में उन्होंने चमाल सदून के खिलाफ चार छक्के लगाए और फिर इसके अगले ओवर में नीरज तिवारी को तीन छक्के जड़े। 13वें ओवर की अंतिम गेंद पर चौहान ने अपनी टीम को जीत दिला दी थी। उन्होंने अपने रन 351.21 की अदभुत स्ट्राइक-रेट से बनाए।

डीएसए ए डिवीजन लीग : सुपर सिक्स का घमासान 19 जून से

नई दिल्ली। डीएसए ए डिवीजन लीग के सुपर सिक्स मुकाबलों की शुरूआत बुधवार 19 जून से नेहरू स्टेडियम के गेट नंबर 13 मैदान में होने जा रही है। क्वालीफाई करने वाली छह टीमों के नाम तय हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि लीग मुकाबले तीन ग्रुपों में खेले गए थे जिनमें से प्रत्येक ग्रुप की दो शीर्ष टीमों को सुपर सिक्स में शामिल किया गया है। ग्रुप ए से हॉप्स और बंगदर्शन, ग्रुप बी से एमिटी इंडियन नेशनल और नॉर्दन यूनाइटेड और सी से नोएडा सिटी एफसी और एम2एम एफसी सफल रही है। अब इन्हीं छह टीमों के बीच सुपर सिक्स के मैच खेले जाएंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि चिलचिलाती धूप और चढ़ते पारे के बावजूद ए डिवीजन लीग खासी रोमांचक रही है। कुछ एक मैचों को छोड़ दें तो बाकी में मुकाबले कड़े और संघर्षपूर्ण रहे हैं। यह भी देखने में आया है कि अंतिम दो-तीन

दिनों में बड़े नाम वाली टीमों ने फिसड्डियों से मात खाई। सफाई में कहा गया कि सुपर सिक्स में जगह पाने के बाद बड़े क्लबों ने अपने स्टार खिलाड़ियों के बजाय जूनियर और उभरते खिलाड़ियों को मौका दिया, जिसके चलते उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लीग के नतीजों पर गौर करें तो नोएडा सिटी एफसी एकमात्र टीम है, जिसने कोई मैच नहीं हारा और कोई अंक नहीं गंवाया। छह में से छह मैच जीतकर सौ फीसदी रिकॉर्ड के साथ आगे बढ़ी है। ग्रुप ए में हॉप्स और बंगदर्शन क्रमशः पहले-दूसरे स्थान पर रहे लेकिन इन टीमों ने एक-एक मैच ड्रा खेले हैं और हारे भी। ग्रुप बी में एमिटी इंडियन नेशनल पांच जीत और एक ड्रा के साथ नंबर एक स्थान पर रही। सुपर सिक्स में पहुंची टीमों के प्रदर्शन पर सरसरी नजर डालें तो लगभग सभी टीमें चैम्पियन बनने का दम रखती हैं। लेकिन नोएडा सिटी एफसी, एमिटी इंडियन नेशनल और हॉप्स कुछ बेहतर स्थिति में नजर आती हैं। सुपर सिक्स के मुकाबलों की शुरूआत बुधवार, 19 जून से राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मैदान पर होने जा रही है, जिसमें पहले दिन हॉप्स-एम2एम, एमिटी इंडियन नेशनल-बंगदर्शन और नोएडा सिटी एफसी-नॉर्दन यूनाइटेड के बीच मैच खेले जाएंगे।

भारत के नंबर एक गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। भारत के नंबर एक पुरुष गोल्फर शुभंकर शर्मा, पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में सेंट-क्वेंटिन-एन-यवेलिन्स में प्रतिष्ठित गोल्फ नेशनल कोर्स में देश के लिए प्रशिक्षण लेंगे। अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) द्वारा 1-4 अगस्त, 2024 के बीच होने वाले ओलंपिक गोल्फ टूर्नामेंट के लिए 60 पुरुष और महिला गोल्फरों की ओलंपिक योग्यता सूची का खुलासा करने के बाद इसकी पुष्टि की गई। शुभंकर, जिनकी आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग

(ओडब्ल्यूजीआर) 222 है, ने 48 की ओलंपिक रैंक के साथ क्वालीफाई किया और चंडीगढ़ के खिलाड़ी के लिए खेलों में पदार्पण का मार्ग प्रशस्त किया। उनके साथ गगनजीत भुल्लर भी शामिल होंगे जिन्होंने 54वीं ओलंपिक रैंक के साथ क्वालीफाई किया था और जो अपना ओलंपिक डेब्यू भी करेंगे। अदिति अशोक और दीक्षा डागर भी महिला टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। 27 वर्षीय भारतीय, जिन्होंने हाल ही में राउंडग्लास स्पोर्ट्स के ब्रांड एंबेसडर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं, डीपी वर्ल्ड टूर (पूर्व में यूरोपीय टूर) पर दो बार विजेता हैं और उनके नाम आठ करियर खिताब हैं। वह इस महीने एम्स्टर्डम में केएलएम ओपन और इटालियन ओपन में एक्शन में दिखाई देंगे, जो दोनों डीपी वर्ल्ड टूर का हिस्सा हैं। इस मौके पर अपने विचार साझा करते हुए शुभंकर शर्मा ने कहा, "ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना सौभाग्य और सम्मान की बात है। जाहिर तौर पर यह एक सपने के सच होने जैसा है। हमारे पास गगनजीत, अदिति, दीक्षा और खुद की एक बहुत अच्छी और अनुभवी टीम है। हमारे पीछे गहराई और अनुभव है। इस समय सभी अपने-अपने टूर पर भी ठोस गोल्फ खेल रहे हैं और यह एक अच्छा संकेत है।

अर्जुन एरिगासी ने स्टीपन अवग्यान मेमोरियल खिताब जीता, लाइव रेटिंग में चौथा स्थान फिर हासिल किया

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रेटिंग वाले शतरंज खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगासी ने जेरमुक, अर्मेनिया में एक राउंड शेष रहते स्टीपन अवग्यान मेमोरियल 2024 खिताब जीत लिया है। तेलंगाना के 20 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी ने रूसी ग्रैंडमास्टर वोलोदार मुरजिन को आठवें और आखिरी से पहले वाले राउंड में 63 चालों में हरा दिया। उनके चार जीत और इतने ही ड्रा के साथ छह अंक हो गए हैं। अर्जुन के पास तीन खिलाड़ियों पर डेढ़ अंक की अपराजेय बढ़त हो गयी है जो

10 खिलाड़ियों की फील्ड में संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। इस जीत से अर्जुन लाइव रेटिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके अब ईएलओ रेटिंग में 2779.9 अंक हो गए हैं। वह लाइव रेटिंग में अब नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नाकामूरा और फाबियानो कारूआना से पीछे हैं। अर्जुन ने कहा, यह मेरे लिए एक शानदार टूर्नामेंट रहा है और मैंने अपने अधिकतर मौकों का फायदा उठाया है। ये टूर्नामेंट आसान नहीं क्योंकि इनमें प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा है लेकिन मैं खुश हूँ जिस तरह मैं खेला और वर्ष का अपना दूसरा खिताब जीता।" टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अर्जुन का मुकाबला स्थानीय ग्रैंडमास्टर मैनुअल पेट्रोसियन से होगा और इस आखिरी राउंड में जीत से वह तीसरे स्थान के कारूआना (2795.6) से लाइव रेटिंग में अपना फासला कम करने की कोशिश करेंगे।

शराब पीकर भाई बना हत्यारा

युवक ने ताऊ के लड़के को मौत के घाट उतारा

हापुड। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सेंगेवाला में एक सनसनीखेज वारदात हुई है। जहां गाली-गलौज का विरोध करने पर बर्फ तोड़ने वाले सुए से युवक ने ताऊ के लड़के को मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दरअसल, मोहल्ला सेंगेवाला निवासी इंदू अपने परिवार के साथ रहता था। उसके मकान के पड़ोस में उसके ताऊ का लड़का (भाई) मुकेश भी परिवार के साथ रहता है। बताया गया कि मंगलवार दोपहर को दोनों ने शराब पी रखी थी। आरोप है कि मुकेश अपने घर से बर्फ तोड़ने वाला सुआ लेकर पहुंचा और वहां खड़े इंदू के पेट में वार कर दिया। इंदू लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गया। बताया गया कि आरोपी इंदू के पेट में तब तक वार करता रहा, जब तक उसकी मौत न हो गई। वारदात को देख आसपास के लोग सहम गए। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी मुकेश मौके से फरार हो गया। उधर, वारादात की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और इंदू के शव से लिपटकर विलाप करने लगे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

करोड़ों रुपए की जमीन पर चलाया बुलडोजर

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन मोड में हैं

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम. अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। सीईओ ने अवैध अतिक्रमण अभियान को गति देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत हर रोज प्राधिकरण की टीम बुलडोजर चला कर तोड़फोड़ कर रही है। मंगलवार को भी सेक्टर-115 स्थित सोरखा गांव में करोड़ों रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है। इस बीच कब्जादरों और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

खसरा संख्या-388 पर चला बुलडोजर

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत वर्क सर्किल-6 की टीम ने सोरखा गांव में खसरा संख्या-388 पर अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाया है। यहां पर नोएडा प्राधिकरण ने अपना बोर्ड लगा दिया है। सरकारी काम में बाधा डालने पर कब्जादार पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर दोबारा यहां निर्माण किया गया तो सख्त कार्रवाई होगी। इस कार्रवाई में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

आगे भी चलेगा अभियान

प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. ने परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। सीईओ ने सभी वर्क सर्किल प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अधिसूचित एरिया में जहां भी अतिक्रमण हो रहा हो उसको अभियान चलाकर तोड़ दिया जाए। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इन कॉलोनाइजरों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई न लगाएं। अवैध निर्माण के खिलाफ प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई जारी रहेगी।

इस बार नही होगा उनका टिकट डिस्काऊंट रेट पर भी सेल

उस वाली पार्टी की खूबी यही है कि वो फेस नही देखती है वो केवल सूटकेस देखती है और उम्मीदवार बना देती है। जलवा रहा है उनका ऐसा कि लीडरों ने मुलाकातों के भी पैसे दिये हैं। रिस्क ये कि पर्चा भरने तक ज्यादा खर्चा ना ही करो तो ही ठीक क्योंकि उधर कुछ फिक्स नही रहता। पता चला कि तुमने दो दिये और कोई तीन लेके आ गया तो दो वाले को गो कह दिया और तीन वाले का सीन बना दिया। बड़े टिकट से लेकर छोटा टिकट बिक्री के लिये उपलब्ध रहा है। मगर अब उनका गेम फिनिश होता लग रहा है। वो यूपी में सिंगल और सेंटर में जीरो के साथ हैं। सियासी सेनसेक्स पर निगाह रखने वाले पालिटिकल ऐनेलिस्ट ने कहा कि पहले तो पेड मुलाकातों का सीन खत्म हुया और अब पेड उम्मीदवारी का भी एंड हो जायेगा। उसने दावा किया कि आप देख लेना इस बार उपचुनाव में उनका टिकट डिस्काऊंट रेट पर भी सेल नही होगा। अगर वो 80 पर्सेंट का डिस्काऊंट भी दे तो भी उम्मीदवारी के बाजार में ये काऊंट नही होगा

बनी रहे हुजूर की शान प्लीज विजिट कैला भटटा एंड कस्साबान

इस बार एक अलग ही अंदाज में सीवर वाला महकमा हैं और सरकारी मुलाजिमों से ज्यादा एक्शन का फीवर जनसेवकों में हैं। निगम के इतिहास में पहली बार चिकनाई वाला वाटर मिला है। अलाने हलवाई से लेकर फलाने मिठाई वाले के पानी से सीवर चोक हो गये। तदूंर से दिक्कत और जिन्हे जनता का पक्ष लेना है वो अफसरी अदांज में हैं। भगवा जुबान से ही जो बात निकली वो सुनने लायक थी। केसरिया देवतुल्य ने कहा कि सीवर वालों का ये एक्शन फीवर बरकरार रहें। उसने कहा कि हूजूर की शान बनी रहे बस एक रिक्वेस्ट है कि जैसे मंदिर वालों के इलाके में चिकनाई वाला पानी तलाशा है एक बार प्लीज विजिट कैला भटटा टू कस्साबान। आइये तो सही एक बार निगम वाले मेहरबान। मिठाई वालों के यहां क्या पानी मिला होगा जो मीट वालों के यहां मिलेगा एकदम चर्बी वाला पानी। लेकिन यहां के पार्षदों की ये तारीफ करनी होगी कि वो सही में जनता के सेवक हैं और जनता की शिकायते करने किसी अफसर के यहां नही जाते और इलाके के सीवर से लेकर कूड़े के मैटर सुलझाते हैं और इलाके के दुकानदारों पर भी एक्शन वाली कोई आंच नही आने देते। इसलिये मलिका ए निगम पधारों किसी दिन इन इलाको में भी। सारा सितम मिठाईवालों पर ही क्यों थोड़ी गाज इधर भी गिरे।

समाज वाले चाहते हैं करना स्वागत पर गर्मी में वो ना आ पावत

विधायक जी शहर के और अब वो जिले के सासंद हैं। वेलकम स्पीच में कह दिया कि आप लोगो की रीच में हूं और नबंर तो वर्षो से यही है मेरा। उनके मुखारविंद से ये वचन सुनकर समाज वाले हर्षायें और उन्हे फोन मिलायें। अब स्पीच में रीच वाली बात कही थी लेकिन रियल में कभी निशांत तो कभी प्रेम फोन उठायें। अंत में काम मेदीवाले ही आये और समाज के विचार सासंद जी तक पहुंचाये। समाज वाले चाहते थे कि वैलकम तो बिरादरी के मंच से हो ही जाये। लेकिन स्वागत के सीन में समर आ गया और उधर ये कहा गया कि इतनी गर्मी में ना आ पावत। समाज वालों ने कहा कि शाम को कर लेगें स्वागत। मगर समाज वाले बता रहे हैं कि जीत के बाद हमारे हार में उनकी रूचि नही हैं। अब नही हैं तो नही हैं, वैसे भी जबरदस्ती विरोध तो हो सकता है लेकिन स्वागत नही।

पुलिसकर्मियों को नहीं आया रास एसी वाला हेलमेट, ट्रायल के दौरान आए चक्कर, 10 डिग्री सेल्सियस तक कम करता है तापमान

हापुड़। पुलिसकर्मियों को गर्मी से बचाने के लिए अधिकारियों की एसी लगे हेलमेट देने की योजना है। हैदराबाद की एक कंपनी के एसी लगे हेलमेट विभाग के पास आ गए हैं। कानपुर और हापुड़ में यातायात पुलिसकर्मियों पर इनका ट्रायल किया जा रहा है। इन हेलमेट के लगाने से पुलिसकर्मियों के सिर व चेहरे का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक कम रहता है। जिले में पुलिसकर्मी करीब 10 दिन से इन हेलमेट का प्रयोग कर रहे हैं। पुलिसकर्मियों को अलग-अलग दिन यह हेलमेट दिए जा रहे हैं। पुलिसकर्मियों के अनुसार उनको यह हेलमेट पसंद नहीं आ रहे हैं। हेलमेट लगाने पर उनको चक्कर आने और जी मिचलाने की शिकायत हो रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि एक महीने लगवाने के बाद पुलिसकर्मियों का फीडबैक लिया जाएगा। उसके आधार पर हेलमेट को लेने का निर्णय लिया जाएगा।

धूप में हो रही थी तबीयत खराब

जिले के साथ ही प्रदेशभर में पुलिसकर्मी भीषण धूप में खड़े रहकर ड्यूटी करते हैं। जहां खड़े होकर वह यातायात को नियंत्रित करते हैं, उनमें से ज्यादातर स्थानों पर शेड तक नहीं हैं। धूप में ड्यूटी करने से कई पुलिसकर्मी बीमार हो रहे हैं। पिछले दिनों एसपी ने पुलिसकर्मियों को छाते वितरित किए थे, लेकिन उनको लगाकर ड्यूटी कर पाना पुलिसकर्मियों के लिए संभव नहीं है। ऐसे में विभाग ने पुलिसकर्मियों को एसी वाले हेलमेट देने की योजना तैयार की गई है। हैदराबाद की एक नामचीन कंपनी के एसी वाले हेलमेट मंगवाए गए हैं। इस हेलमेट में एसी लगे हैं। यह पुलिसकर्मियों के सिर, चेहरे औरा गर्दन के पिछले हिस्से को ठंडा रखता है।

छोटे पंखे और कूलिंग सिस्टम से लैस हैं हेलमेट

इन हेलमेट में छोटे पंखे और कूलिंग सिस्टम होते हैं। यह लगाने वाले के सिर को ठंडा रखते हैं। हेलमेट में लगी बैटरी पंखे को चलाती है। इनमें ठंडी हवा देने के लिए जेल पैक या इवेपोरेटिव कूलिंग सिस्टम लगाए गए हैं। यातायात में लगे पुलिसकर्मियों पर एसी वाले हेलमेट का ट्रायल किया जा रहा है। इसमें सफल होने के बाद ही अन्य पुलिसकर्मियों के लिए यह हेलमेट खरीदे जाने हैं। अभी हेलमेट लगाते हुए उनको 10 दिन का समय हुआ है। पुलिस अधिकारी दो-दो दिन के लिए पुलिसकर्मियों को हेलमेट लगवा रहे हैं। एक पुलिसकर्मी दो दिन एसी वाला हेलमेट लगाता है, उसके बाद वह दूसरों को दे दिया जाता है। स्थिति यह है कि जो पुलिसकर्मी एक बार इन हेलमेट को लगा लेते हैं, वह दोबारा से तैयार नहीं हो रहे हैं।

फ्लैट में अकेले रह रहे बुजुर्ग का मिला शव

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की शिप्रा रिवेरा सोसाइटी में सोमवार रात को फ्लैट में अकेले रह रहे बुजुर्ग का शव मिला। बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लेकर स्वजन को सूचना दी। बीमारी से मौत का अंदेशा है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार रात को इंदिरापुरम की शिप्रा रिवेरा सोसाइटी के बी ब्लॉक के फ्लैट नंबर-68 से बदबू आने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने फारेंसिक टीम को सूचना दी।

बेड पर पड़ा था शव

फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में वीडियो व फोटोग्राफी कर दरवाजा तोड़ा गया। अंदर जाकर देखा तो 77 वर्षीय बुजुर्ग का शव बेड पर पड़ा हुआ था। मृतक की पहचान भूषण लाल कौल के रूप में हुई। वह अकेले रहते थे। पुलिस ने स्वजन को सूचना दी।

जांच में सामने आया है कि मृतक की तीन बेटियां हैं। एक वैशाली और दूसरी मयूर विहार (दिल्ली) में रहती हैं। वह मौके पर पहुंची। उन्होंने बीमारी से मौत होने की बात कहकर पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया।

रविवार सुबह हुई थी अंतिम बार बात

पुलिस पूछताछ में बड़ी बेटी संजू ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े सात बजे उनकी पिता से अंतिम बार बात हुई थी। उसके बाद वह सोसायटी में घूमने भी गए थे। फिर उन्हें किसी ने नहीं देखा था। सोमवार को बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई।

गंगनहर में युवक बहाव में बहा ,तलाश जारी

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में स्थित गंगनहर में नहाते समय एक युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। गोताखोर युवक की तलाश कर रहे है। हरियाणा के ओल्ड फरीदाबाद निवासी 34 वर्षीय सुंदर पुत्र बिजेन्द्र अपने दोस्तों के साथ मंगलवार शाम चार बजे नहर में नहाने के लिए आए थे। वह अपने तीन दोस्तों के साथ गंगनहर में लोहे के पुल के पास नहा रहे थे। नहाते समय सुंदर पानी के तेज बहाव में बह गया। शोर मचाने पर नहर में नहा रहे युवकों ने सुंदर को बचाने का भी प्रयास किया ,लेकिन वह कामयाब नहीं हुए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश कर रही है।

साहिबाबाद में निर्जला एकादशी पर जगह-जगह वितरित हुआ शरबत

साहिबाबाद, करंट क्राइम। साहिबाबाद में एकादशी के मौके पर क्षेत्र में जगह-जगह छबील लगाकर शरबत का वितरण किया गया। कई मंदिरों में भजन-कीर्तन आयोजित हुआ। वसुंधरा वार्ड 61, इंदिरापुरम शिप्रा सनसिटी फेज 2, शिप्रा रिवेरा मंदिर, मकनपुर शिव मंदिर , कौशाम्बी, राजेन्द्र नगर, वैशाली, ब्रजविहार आदि कॉलोनी में भाजपा कार्यकर्ता व आरडब्ल्यूए ने अपने क्षेत्र में शरबत का वितरण किया।

इस दौरान वसुंधरा मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा , पार्षद शिल्पा चौधरी, आशीष चौधरी, निशी त्यागी आदि रहे। इसके अलावा भारत विकास परिषद इन्दिरापुरम मुख्य शाखा द्वारा शरबत वितरण किया गया जिसमें डां आदेश त्यागी, विनिता वाजपेयी, रविन्द्र तिवारी, सतीश शर्मा, हेमंत कुमार वाजपेयी, भाजपा अध्यक्ष हरमीत बक्शी, सतीश कसाना आदि मौजूद रहे। वहीं शिप्रा सनसिटी फेज 2 में पहल फाउंडेशन द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमें एओए अध्यक्ष सीपी बालियान वीडी शर्मा, ललित पांडे, संदीप कुमार, वीरेंद्र सिंह, सार्थक नेगी, राजीव गोस्वामी, जगदीश कालरा, तुषार उपाध्यय, आर पी सिंह, सुरिंदर शर्मा, शरद खण्डेलवाल, आरती चौधरी व विद्या पांडे आदि मौजूद रहे। वहीं वार्ड 72 कोशाम्बी में भाजपा नेता पूर्व पार्षद. डॉ. मनोज गोयल द्वारा जयपुरिया एन्क्लेव मंदिर समिति द्वारा कौशांबी राधा कृष्णा लेन नीलपदम कुंज वैश्य समाज समिति राजेंद्र नगर, श्याम बाबा मंडल राजेंद्र नगर द्वारा आयोजित मीठे पानी के शरबत और फल वितरण कार्यक्रम किया गया। वार्ड 57 मकनपुर शिव मंदिर पर पार्षद राधेश्याम त्यागी द्वारा निर्जला एकादशी पर शरबत वितरण कार्यक्रम किया जिसमें सैकड़ों लोगों में भाग लिया। पार्षद प्रतिनिधि अंकुर त्यागी ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी लोगों ने भाग लिया।

निर्जला एकादशी पर वीरेंद्र कंडेरे ने किया नमकीन चना व कोल्ड ड्रिंक का भंडारा

गाजियाबाद,करंट क्राइम। निर्जला एकादशी के अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र कंडेरे के प्रतिष्ठान 286 बोंझा पटेल मार्ग पर नमकीन चने व कोल्ड ड्रिंक का भंडारा किया गया। जन सामान्य ने भारी संख्या में भंडारे में वितरित प्रसाद स्वरूप नमकीन चने व कोल्ड ड्रिंक का रसास्वादन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता, संदीप त्यागी रसम, रितेश शर्मा, प्रेम बल्लभ गुप्ता, सरदार गुरजीत सिंह, विनोद पंडित, अनु अरोड़ा, प्रमोद जोशी, वीरेंद्र कंडेरे, राजीव पाठक, केके शर्मा, अनमोल बमरा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

क्या पश्चिम से जुड़ा कमिश्नरेट का लिंक

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। चर्चाओं के बीच जानकारी मिल रही है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का लिंक फिर पश्चिम उत्तर प्रदेश के एक खास जिले से जुड़ सकता है। सूत्र बता रहे हैं की कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में पश्चिम में तैनात रह चुके कई अधिकारियों को फिर से मौका दिया जा सकता है। यह तैनाती अलग-अलग स्तर पर होने की संभावना जताई जा रही है। लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं की लिस्ट लगभग फाइनल है। बस जारी करने का वेट हो रहा है। कोई इसे प्लेटफार्म पर खड़ा बता रहा है तो कोई बता रहा है कि अभी वेटिंग की स्थिति है। लिस्ट की फाइनल डेट 21 जून के आसपास फाइनल हो सकती है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों शुरू हुए लैटर के मैटर के बाद एकाएक कुछ समीकरण बने हैं। जो पुष्ट होते दिखाई दे रहे हैं। इन सबके बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि आईपीएस वाली लिस्ट के चक्कर में लोकल तबादलों पर भी ब्रेक सा लगा हुआ है। हालांकि उपनिरीक्षकों की बीच-बीच में कई लिस्ट आ चुकी हैं। उधर एसीपी और थाना प्रभारी स्तर के फेस वेट एंड वॉच में हैं। लखनऊ वाले सूत्रों पर भरोसा करें तो योग दिवस के बाद भविष्य को लेकर नई लिस्ट जारी की जाएगी। बताया जा रहा है कि पश्चिम के कई प्रमुख जिलों के कप्तान और कमिश्नरेट सिस्टम के अधिकारियों को भी रडार पर लिया जाएगा। दरसअल इस पूरी लिस्ट को खुद नियुक्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीएम कार्यालय से मंत्रणा कर तैयार किया है। वहीं बताया जा रहा है कि कई जिलों के कप्तानों व कमिश्नर के नाम तो खास चेहरों ने ही सामने रखे थे। इसी के साथ इस पूरी लिस्ट में बीते दिनों हुए लोकसभा चुनाव की परफॉर्मेंस का भी असर देखने को मिलेगा। कहा जा रहा है कि पश्चिम में एक छोटे जिले के कप्तान को बड़े जिले की सीट मिलनी लगभग तय मानी जा रही है। तो वहीं कमिश्नरेट के एक आईपीएस अधिकारी छोटे जिले में जाने के लिए जो जुगाड़ लगा रहे हैं। सुनने में आया है कि उसमें उनको सफलता मिल सकती है। कुल मिलाकर अभी लिस्ट वाला टविस्ट् बरकरार है और खाकी और खादी वालों को 21 जून का भी बेसब्री से इंतजार है। अब देखना होगा कि कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में पश्चिम के किस जिले का लिंक बैठता है।

बिना सकेत चिन्ह के खड़ी कर रखी थी कैंटर चालक ने गाड़ी ,रिपोर्ट दर्ज

मुरादनगर करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर गांव रेवड़ा रेवड़ी के पास हुए सड़क हादसे के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। चालक द्वारा कैंटर को सड़क पर बिना सकेत चिन्ह के खड़ा किया गया था। जिस कारण हादसा हो गया। पुलिस ने ट्रक चालक की तहरीर पर कैंटर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बता दे कि ईस्टर्प पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर गांव रेवड़ा रेवडी पर शनिवार रात सवा बजे के आसपास तेज रफ्तार ट्रक ने साइड में खडे कैंटर में टक्कर मार दी थी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी और 22 लोग घायल हुए है। अभी भी कई की हालात गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक गांव खरबा थाना गोराडीह जिला भागलपुर बिहार निवासी रुपेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस हिरासत में ट्रक चालक ने बताया कि वह चालक ने बताया कि वह पंजाब के लुधियाना से हरियाणा के छायस एक्सप्रेस वे मार्ग से जा रहा था।

जलभराव और निकासी को लेकर डीएम और नगर आयुक्त ने की संबंधित विभागों की बैठक, अधूरा काम जल्द पूरा करने के निर्देश

किसी भी परिस्थिति में जलभराव की समस्या नहीं की जाएगी बर्दाश्त : जिलाधिकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में जलभराव की समस्या बारिश के दिनों में बड़ी आफत बनती है। इस परेशानी से बचने के लिए अभी से अधिकारियों ने एक्सरसाइज शुरू कर दी है। इस कड़ी में मंगलवार को जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संबंधित विभागों के साथ एक बैठक की। जिसमें आरआरटीएस, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, मेट्रो, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के साथ हॉटस्पॉटों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि जलभराव किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं अधिकारियों ने सभी विभागों को आदेश दिया है कि वह समन्वय बनाकर अधूरे काम पूरे करें। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा है कि मानसून से पूर्व जलभराव हॉटस्पॉटों का निरीक्षण करने के साथ ही समस्या को लेकर प्लानिंग कर लें ताकि परेशानी ना आए।

पटेल नगर नाले और दुहाई जल भराव को लेकर की समीक्षा

करंट क्राइम। बारिश का समय शुरू होने से पहले अधिकारी एक्शन मोड में हैं। तो नगर आयुक्त और जिलाधिकारी ने पटेल नगर नाला निर्माण पूरा करने के लिए निर्देश दिया है। आरआरटीएस को रविवार तक का अंतिम समय दिया गया है। वहीं दुहाई जल भराव की समस्या के समाधान में आरआरटीएस को पुलिया निर्माण और पीडब्ल्यूडी को इंटरलॉकिंग टाइल्स लगवाने व मेनहोल बनाने का भी निर्देश जारी कर दिया गया है। इसी के साथ सिद्धार्थ विहार योजना के समीप एसजीएस बिल्डर के द्वारा नक्शे के विरुद्ध निर्माण कराया जा रहा है इस विषय को भी बैठक में उठाया गया। बैठक में पटेल नगर वार्ड, गुलदहर, दुहाई, मोराटा, अर्थला मेट्रो स्टेशन, राहुल विहार, मोहन नगर स्थित जलभराव क्षेत्र के लिए समाधान पर चर्चा की गई है। जिलाधिकारी ने कहा है कि बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या नहीं आनी चाहिए।

नालों की सफाई और मरम्मत पर भी दिया जाए ध्यान

करंट क्राइम। बैठक के दौरान जिलाधिकारी और नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह का टाइम दिया गया है कि सभी जलभराव के हॉटस्पॉट निरीक्षण कर लिए जाए। इसके साथ ही पटेल नगर, दुहाई, मोरटा, गुलदहर पर विशेष फोकस किया जाए। नालों की सफाई करने के साथ ही नालों की मरम्मत और पुलिया निर्माण भी कराई जाए ताकि जलभराव की समस्या से बारिश के दिनों में शहर की जनता को ना जूझना पड़े।

अमेरिका में भी जबरदस्त गर्मी का कहर, अलर्ट जारी

वाशिंगटन। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब दिखने लगा है। जहां भारत में इस समय जबरदस्त गर्मी के रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं, वहीं यूरोप और अमेरिका भी तापमान नए स्तरों तक पहुंच रहा है। अमेरिका में तो गर्मी इतनी तेज है कि यहां 7.5 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य अलर्ट तक जारी किया गया है। बताया गया है कि गर्म लहरों के मध्य-अटलांटिक और न्यू इंग्लैंड तक पहुंचने की वजह से बीते कुछ दिनों में अमेरिका में तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा आद्रता के बढ़ने से स्थिति और खराब हुई है।

गौरतलब है कि बीते साल भी अमेरिका में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया था। यहां असामान्य रूप से लगातार दो दिन तक गर्म मौसम दर्ज किया गया था, जो कि 1936 के बाद से नया रिकॉर्ड था। इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका के फीनिक्स शहर में देखा गया था, जहां गर्मी से जुड़ी वजहों से 645 लोगों की मौत हुई थी। फीनिक्स में ही एक बार फिर तापमान 44 डिग्री सेल्सियस (112 डिग्री फारहेनहाइट) तक पहुंच गया है। ऐसे में अधिकारियों ने पिछली बार की स्थिति को देखते हुए इस बार स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया है। अमेरिका के मौसम विभाग ने कहा है कि जून के पहले दो हफ्ते में तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। यह जून की शुरूआत में सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड भी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के एक वैज्ञानिक ने इस स्थिति को लेकर अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सुबह 10 बजे से 6 बजे तक घर के अंदर ही रहने को कहा है। साथ ही उन्हें लगातार पानी पीते रहने और टाइट कपड़ों से बचने के लिए भी कहा गया है।

दूसरी तरफ न्यू मैक्सिको के कई इलाकों में तापमान 107 डिग्री फारहेनहाइट यानी 42 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। वहीं दक्षिणी कोलाराडो में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो कि सामान्य से ज्यादा रहा। इस बढ़ती गर्मी के चलते अमेरिका में बड़े स्तर पर जंगलों की आग भी भड़क उठी है। लॉस एंजेलिस के पूर्व में लगी आग के चलते दमकलकर्मी लगातार इस बुझाने की कोशिश में लगे हैं।

अमेरिका के इस शहर में गर्मी ने तोड़ा 49 साल का रिकॉर्ड, 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ तापमान

वाशिंगटन: अमेरिका के एरिजोना प्रांत के फीनिक्स में गर्मी ने 49 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फीनिक्स के लोग लंबे समय से असमान्य गर्मी का सामना कर रहे हैं। फीनिक्स बीते कई दिनों से अमेरिका का सबसे गर्म महानगर बना हुआ है। गुरुवार को शहर के मौसम विज्ञान सेवा ने एक और तापमान रिकॉर्ड का ऐलान करते हुए कहा कि फीनिक्स हवाई अड्डे पर स्थापित थमार्मीटर ने 48 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है। इतना तापमान इतिहास में केवल सात बार ही दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञानियों ने फीनिक्स में लगातार चौथे दिन तापमान का नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। इस हफ्ते का हर दिन पिछले दिन की तुलना में अधिक गर्म दर्ज किया गया है।

फीनिक्स एज नेशनल वेदर सर्विस ने शुक्रवार को ट्वीट कर बताया कि आज दोपहर फीनिक्स में तापमान 119 फारेनहाइट (48.33 डिग्री सेल्सियस) की एक और रिकॉर्ड ऊंचाई दर्ज की है। कृपया आज गर्मी से सुरक्षा को ध्यान में रखें क्योंकि हीटरिस्क प्रमुख से चरम स्तर पर बना हुआ है! उन्होंने बताया कि लगातार इतनी गर्मी बने रहने की अवधि ने भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एक स्थानीय रेडियो स्टेशन के अनुसार, तापमान 20 दिनों से अधिक समय से 43 डिग्री से ऊपर है। पिछली बार ऐसा ही रिकॉर्ड 1974 में दर्ज किया गया था जब उच्च तापमान लगातार 18 दिनों तक रहा था।

वेदर कंपनी के मौसम इतिहासकार क्रिस्टोफर बर्ट ने ब्रॉडकास्टर को बताया कि किसी अन्य प्रमुख अमेरिकी शहर में कम से कम 110 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंचने वाले दिनों की लंबी अवधि नहीं देखी गई है। फीनिक्स के निवासी भी स्वीकार कर रहे हैं कि उन्होंने इतनी गर्मी पहले कभी नहीं झेली है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 दिनों से गर्मी से कोई राहत नहीं है। रात के वक्त भी तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा है। असामान्य गर्मी के कारण शहर की सड़कों पर लोगों की काफी कम भीड़ है। लोग दोपहर के वक्त बाहर निकलने से बच रहे हैं।

अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में घर में आग लगने से छह लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में सोमवार सुबह एक घर में आग लग गई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हादसे में तीन बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

प्रतीकात्मक फोटो

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों की उम्र 6 से 74 वर्ष के बीच थी। सभी पांच घायलों को प्रांतीय राजधानी अटलांटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कुछ गंभीर हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे अटलांटा के दक्षिण-पश्चिम में कोवेटा काउंटी में अग्निशमन दल को घटनास्थल पर भेजा गया। आग लगने के समय घर के अंदर 11 लोग थे।

1936 में आई उत्तरी अमेरिका की सबसे तीव्र गर्मी की लहर

अमेरिका में अब तक की सबसे तीव्र और व्यापक गर्मी की लहर (वास्तव में गर्मी की लहरों की एक श्रृंखला) 1936 की गर्मियों में आई थी, जब अमेरिका के 48 समीपवर्ती राज्यों में से 17 और कनाडा के दो प्रांतों ने सैकड़ों शहरों के साथ अपने सभी समय के गर्मी के रिकॉर्ड को बराबर या तोड़ दिया था। इनमें से कई रिकॉर्ड आज भी कायम हैं। हालाँकि यह एक रहस्य ही है कि आखिर उस गर्मी में तापमान इतना अधिक क्यों बढ़ गया।

चरम सीमाओं से भरी गर्मी : 1936 की जलवायु ग्रीष्म ऋतु (जून-अगस्त) 74.0°F के औसत तापमान के साथ रिकॉर्ड पर (1895 के बाद से) सबसे गर्म राष्ट्रीय ग्रीष्म ऋतु बनी हुई है। (दूसरी सबसे गर्म ग्रीष्म ऋतु 2012 की थी, जिसका औसत तापमान 73.7°F था।)

जुलाई 1936 अभी भी अमेरिका का सबसे गर्म महीना है, जिसका औसत तापमान 76.8°F था, जो जुलाई 2012 के औसत तापमान से मात्र 0.02°F अधिक था।

दिलचस्प बात यह है कि फरवरी 1936 संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए रिकॉर्ड पर सबसे ठंडा फरवरी रहा, जिसमें औसत राष्ट्रीय तापमान 25.2°F था। (रिकॉर्ड पर सबसे ठंडा महीना जनवरी 1977 था, जिसमें औसत तापमान 21.9°F था।) उत्तरी डकोटा में तापमान -60°F तक गिर गया, जो अब तक का राज्य रिकॉर्ड है।

पांच लाख अप्रवासियों को मिल सकती है अमेरिकी नागरिकता

- राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडन करेंगे बड़ी घोषणा

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। बता दें अमेरिका में इस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव भी होने हैं। दरअसल इससे पहले बाइडन ने इस महीने की शुरूआत में अप्रवासन को लेकर सीमा पर आक्रामक नीति अपनाई थी। इस वजह से कई डेमोक्रेटिक सांसद नाराज हो गए थे। अब बाइडन के इस कदम को अपनी आक्रामक नीति को संतुलित करने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

व्हाइट हाउस ने जारी किया बयान : व्हाइट हाउस की तरफ से इस बारे में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि आने वाले महीनों में अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों को स्थाई नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी। इससे पांच लाख से ज्यादा अप्रवासियों को राहत मिल सकती है।

अमेरिका नागरिकता हासिल करने के लिए नियम : अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए कुछ नियम भी बनाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार नागरिकता के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति का बीते 10 वर्षों से अमेरिका में रह रहा हो। इसके अलावा आवेदन करने वाले पुरुष या महिला का विवाह अमेरिका के किसी नागरिक से साथ हुआ हो। अगर आवेदन स्वीकार होता है, तो आवेदनकर्ता को ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए तीन वर्ष का समय दिया जाएगा।

ड्रैगन ने की जी7 की आलोचना, शिखर सम्मेलन के नेताओं पर लगाया चीन को बदनाम करने का आरोप

बीजिंग। चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर ड्रैगन (चीन) को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

लिन जियान ने कहा, ₹जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल ड्रैगन की निंदा करने और उसपर हमला करने के लिए किया। उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं।₹ उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, ₹यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी को एक साथ लाने के बावजूद ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं।₹

जी7 अपने लक्ष्य से भटक गया: लिन जियान

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है। यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष ग्रुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है।

जी 7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि वे चीन को नुकसान पहुंचाने और उसके आर्थिक विकास को विफल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

बता दें कि जी 7 सात देशों से मिलकर बना है, इसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस शामिल हैं। इटली में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए वहां की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निर्मंत्रित किया था।

- नाटो प्रमुख ने चीन को दी चेतावनी, कहा-

यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने पर परिणाम भुगतने होंगे

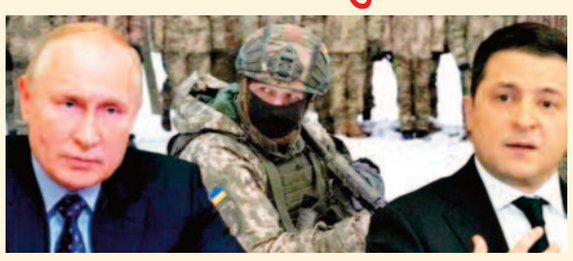

वाशिंगटन। नाटो प्रमुख ने चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को चीन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लगातार हथियारों की आपूर्ति ही इस युद्ध का अंत कर सकती है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने अगले महीने होने वाली नाटो की 75वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन की आधारशिला रखने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन केलिए समर्थन मांगना है : जुलाई के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन का एक निर्णायक दीर्घकालिक संदेश भेजना है। क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन को यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन पर संदेह करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ एक कठिन पुनर्मिलन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है।

बाइडन के साथ बैठक से पहले बोलते हुए स्टोलटेनबर्ग ने चीन पर आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह रूस के रक्षा उद्योग के पुनर्निर्माण के लिए चीन एक प्रमुख निर्यात प्रोत्साहन है।

'चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा' : स्टोल्टेनबर्ग ने विल्सन सेंटर में कहा, ₹राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह धारणा बनाने की कोशिश की है कि वह प्रतिबंधों से बचने और व्यापार को चालू रखने के लिए इस संघर्ष में पीछे हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि चीन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है और साथ ही, वह पश्चिम के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। बीजिंग दोनों तरीकों को नहीं अपना सकता है। जब तक चीन अपना रुख नहीं बदलता तक पश्चिम को उस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। चीन को परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

चीन का कहना है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ नहीं है। ना ही चीन किसी को गलत तरीके से सहायता दे रहा है।

बीजिंग ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा आयोजित सप्ताहांत शिखर सम्मेलन से दूरी बनाई थी, जिसमें किसी भी शांति के लिए रूस द्वारा यूक्रेनी क्षेत्र छोड़ने की कीव की मांगों की पुष्टि की गई थी।

'सोशल मीडिया पर तंबाकू की तरह लगे चेतावनी लेबल'

अमेरिकी डॉ. विवेक बोले- यह किशोरों के लिए नुकसानदेह

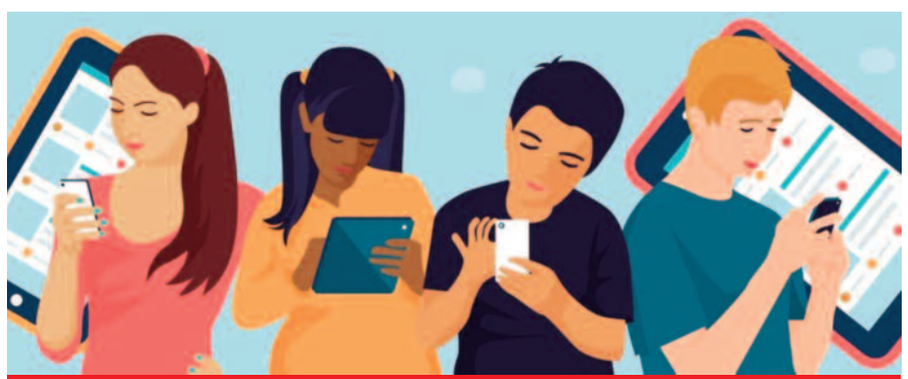

सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर माता-पिता को यह सलाह दी जानी चाहिए कि इन प्लेटफॉर्म के उपयोग से किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है।

रोजाना 4.8 घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहे युवा

डॉ. मूर्ति ने एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में किशोर औसतन 4.8 घंटे प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। जो किशोर सोशल मीडिया पर दिन में तीन घंटे से अधिक समय बिताते हैं, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का काफी अधिक जोखिम होता है। वहीं, गैलप सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिका में 46 फीसदी किशोरों ने माना है कि सोशल मीडिया ने उन्हें अपने शरीर के बारे में बुरा महसूस कराया है। डॉ. मूर्ति ने कहा था कि उन्होंने ऐसे युवाओं से बात की है, जो चाहकर भी सोशल मीडिया से दूर नहीं हो पाते हैं।

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तंबाकू उत्पादों की तरह हानिकारक बताते हुए अमेरिकी संसद से मांग की है कि सोशल मीडिया के उपयोग पर उसी तरह के चेतावनी लेबल लगाए जाएं, जैसे तंबाकू उत्पादों पर लगाए जाते हैं।

डॉ. मूर्ति ने कहा कि सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर माता-पिता को यह सलाह दी जानी चाहिए कि इन प्लेटफॉर्म के उपयोग से किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे तंबाकू और शराब उत्पादों पर चेतावनी दिखाई जाती है कि इनका उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, उसी तरह वे कांग्रेस से मांग करेंगे कि सोशल मीडिया के उपयोग के संबंध में भी इस तरह की चेतावनी दिखाने के लिए कानून पेश करें। डॉ. मूर्ति ने सोमवार को न्यूयॉर्क टाइम्स में अपने एक लेखा में कहा कि यह चेतावनी लेबल माता-पिता को एक शक्तिशाली संदेश देगा कि सोशल मीडिया सुरक्षित नहीं है।

नुकसान के बारे में बताने में विफल रहे

डॉ. मूर्ति ने बच्चों और किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभावों को सड़क दुर्घटनाओं या दूषित भोजन के बराबर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम के जैसा बताया है। डॉ. मूर्ति कहते हैं कि हम सोशल मीडिया के नुकसानों के बारे में सभी को बताने में विफल रहे हैं।

ये नुकसान माता-पिता की इच्छाशक्ति और पालन-पोषण की विफलता की वजह से नहीं हो रहा है, बल्कि पर्याप्त सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता या जवाबदेही के बिना शक्तिशाली तकनीक को मुक्त करने का नतीजा है।

रेल हादसे में मृतकों की आत्मिक शांति के लिए महानगर कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

अध्यक्ष विजय चौधरी ने मृतकों को एक करोड़ के मुआवजे की मांग की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मंगलवार को घंटाघर कंपनी बाग स्थित महानगर कांग्रेस कार्यालय पर कमेटी गाजियाबाद कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी के नेतृत्व में बंगाल रेल हादसे में मृतकों की आत्मिक शांति के लिए कार्यालय से लेकर घंटाघर चौक शहीद ए आजम भगत सिंह की मूर्ति तक कैंडल मार्च निकाला। इस अवसर पर सभी कांग्रेस नेताओं ने घंटाघर चौक पर मोमबत्तियां जलाकर मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने कहा कि हम सभी रेल हादसे में मृत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। साथ ही और केंद्र सरकार से अपील करते हुए हादसे की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने कहा कि हादसे में पीड़ित परिवारों को कम से कम एक एक करोड़ मुआवजा राशि और परिवार के एक शख्स को सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए।

कैंडल मार्च में पूर्व प्रदेश सचिव नसीम खान , पीसीसी सदस्य जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विजय पाल चौधरी , कांग्रेस नेता त्रिलोक सिंह, कासिम प्रधान , पश्चिम प्रदेश सचिव सेवादल प्रेम प्रकाश चीनी , रिजवान मलिक, पंचायती राज जिलाध्यक्ष अहसान अली , कांग्रेस नेता बलराज चावड़ा ,पार्षद कुलभूषण मोनू , युवा कांग्रेस कार्डिनेटर हुमायूं मिर्जा ,कांग्रेस नेता अनुज चौधरी , वरिष्ठ कांग्रेस नेता विक्रांत चौधरी , विपिन चावड़ा , कांग्रेस नेता आशिफ सिद्दीकी , पवन शर्मा , कांग्रेस नेता महेंद्र गौतम , धीरेंद्र पाल , कपिल यादव , पूर्व जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस अमित यादव , प्रशांत कुमार शर्मा , सचिन यादव , आलिम , विनय वर्मा , रियाज अहमद , श्याम सुंदर और विकास तोमर आदि शामिल रहे।

श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिवशक्ति धाम लगाएगा 500 पौधे

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शासन स्तर से मानसून के दौरान पौधरोपण की तैयारियां की जा रही हैं। श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिवशक्ति धाम डासना की ओर से भी इस मानसून में आश्रम में 500 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। शिवशक्ति धाम डासना की संस्था श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट के महामंत्री छोटे नरसिंहानंद अनिल यादव ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से पौधे लगाने से लेकर उनकी सिंचाई और संरक्षण की पूरी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश भर में और विशेष रूप से गाजियाबाद में हरियाली बेहद तेजी से कम हो रही है। वन और खेत खत्म हो रहे हैं, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। छोटे नरसिंहानंद अनिल यादव ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से यह अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके पहले चरण में आश्रम में पौधरोपण किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से फलदार पौधे लगाए जाएंगे। पौधों को रोपने से लेकर उनके बड़े होने तक उनका पूरा ध्यान रखा जाएगा। पौधे को भी संरक्षण की जरूरत होती है। हमें पेड़, पौधों को मित्र बनाना चाहिए और उनका पूरा ध्यान रखना चाहिए। जिस तरह से एनसीआर में कंक्रीट का जंगल बन गया है उसकी प्रतिकूलता सभी को महसूस हो रही है। एनसीआर में प्रदूषण की गंभीर समस्या बन गई है। कई तरह की बीमारियां भी फैल रही हैं। सभी को पौध लगाने और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आश्रम से इस अभियान को शुरू करके पूरे गाजियाबाद और एनसीआर में चलाया जाएगा। ट्रस्ट का प्रयास रहेगा कि गाजियाबाद और एनसीआर में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित भी किया जाए। पेड़ों की अधिकता से ही प्रदूषण और तेज गर्मी से निजात मिल सकती है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि जब से जीते है गर्ग साहब चुनाव ? तब से लग रहा है क्रांतिकारी गुप्ता जी ने बंद कर दी है जुबानी फाइट ? या तो वो शहर से बाहर चले गए है ? या फिर गर्ग साहब को ताकत मिलने के बाद कर लिया है उन्होंने अपनी जुबान को टाइट ? शायद अब उनको हो गया है इस बात का एहसास ? गर्ग साहब से पंगा लेकर कुछ भी नहीं होने वाला ? क्योंकि आजकल गाजियाबाद का रास्ता नहीं पकड़ रहे है जनरली साहब ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको एक बात ऐसी बता रहा हूँ जिसे आप कर सकते हो नोट ? आप देख रहे हो भगवा गढ़ के ऑल टाइम गोयल दावेदार इस वक्त है रहस्यमई तरीके से पूरी तरह खामोश ? इस बार अपनी चहलकदमी का वो किसी को भी नहीं होने दे रहे है एहसास ? इस बार उन्होंने अपनी दावेदारी का फॉर्मेट ही बदल दिया है साहब ? कहने वाले ने कहा, वो कितना ही बनाये खुद को गोपनीय ? लेकिन किसी ना किसी दिन उनके रुके हुए दावेदार की बाहर आ ही जाएगी आवाज ? ऐसा पहली बार नहीं है, ऐसा हर चुनाव में होता है साहब ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं बैठा था गर्ग साहब के खास के पास ? उसने बताई मुझको गजब की बात ? उसने कहा, जो खुद को बताते थे बहुत ज्यादा साहब का नजदीक ? वो ही माँग रहे थे लोकसभा का टिकट ? इस बात की अब वक्त कर रहा है तस्दीक ? ताकतवर मैडम अपने रिश्तेदार के लिए माँग रही थी टिकट ? शिशोदिया जी भी कराते थे उनको अपनेपन का एहसास ? मगर वो भी पहुँचना चाहते थे टिकट के निकट ? गोयल साहब ने भी खुद के टिकट को लेकर नाप ली थी साहब से दूरी ? तोमर साहब के दिल के कोने भी थे चुनाव वाले अरमान ? अगर ये सब यहाँ पर एकजुट होते तो आज कुछ और ही नजर आ रहा होता गाजियाबाद में पैगाम ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि पूर्व राज्यसभा सांसद अग्रवाल जी के बड़े दिल को लेकर पता चली है हमको गहरी बात ? राजनीति में कैसे रखा जाता है बड़ा दिल ? कोई उनसे सीखे साहब ? सुना है जो पीए एक वक्त चलता था अग्रवाल जी के साथ ? सुना है पूर्व सांसद ने उस व्यक्ति को भेज दिया है गर्ग साहब के पास ? दे दिए है पीए को स्पष्ट निर्देश ? गर्ग साहब के प्रोटोकॉल को फॉलो कराने में नहीं फँसना चाहिए कोई भी पेंच ? सुना है गर्ग साहब के दिल्ली वाले आवास को लेकर भी किया है अग्रवाल जी ने बहुत सपोर्ट ? कोई सोचे कि टिकट नहीं मिलने से अग्रवाल जी का बदल गया होगा व्यवहार ? ऊपर दिए उदाहरण इस बात का एहसास करा रहे हैं कि पहले से ज्यादा बढ़ गया है उनका गर्ग साहब के लिए प्यार ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम कहीं बैठे साहब ? कोई पूरे प्यार से नागर जी के बदले व्यवहार को लेकर कर रहा था बात ? हमने जो शब्द सुने उसमें दिख रहा था हमको बहुत ज्यादा कष्ट ? हमने सुना नागर जी को उन्होंने जरूरत पड़ने पर दिया था जो समान ? अभी तक नहीं निकला है उस समस्या का समाधान ? आज भी नागर जी नहीं कर रहे है उनसे संपर्क ? जो भी हो लेन-देन के मामले समय से सेटल ना हो तो वो संबंधों पद डाल ही देते है फर्क.?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कोई जाए तो ले आए मेरी लाख दुआएँ पाए ? फिर कहने वाले ने कहा दुआओं का आखिर हम अचार डालेंगे, जब नाराज चल रहे हो साहिबाबाद वाले मिस्टर राय ? सुना है हैवीवेट वालों नो हाल ही में पेश किया था अपने विकास कार्यों डाटा ? सुना है उनके डाटा में नजर आ रहा था सभी वार्डों में काम ? मगर मेम्बर राय के मोहल्ले में दिख रहा था पूरी तरह घाटा ? डाटा में कहीं भी नजर नहीं आ रहा थे राय साहब के मोहल्ले में कोई काम ? तोड़ने वाले कुछ इस तरह से भी दिल तोड़ देते है श्रीमान ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा गुरु जी के मन में अपने प्रिय मोहन को लेकर है कूट कूट कर भरे हुए जज्बात ? सुना है इसी मोहब्बत में उन्होंने शहर विधानसभा वाली दावेदारी दी है त्याग ? इतने त्याग के बावजूद गुरु जी के मन में मोहन जी को लेकर है काफी बड़ा डाउट ? गुरुजी ने दे दिए है संदेश कि अपने इस डाउट को किसी ना किसी दिन जरूर करेंगे वो आउट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मेरी बात को कर लो आप नोट? भगवा गोपाल भईया का नहीं हुआ होता उस वक्त टिकट? अगर भगवा कमांडर का नहीं मिला होता उनको सपोर्ट? हमें पता है कि विधायक जी के मन में था कोई और ही नाम? मगर जब कमांडर ने मजबूती से गोपाल भईया का नाम रखा? तो फिर विधायक जी ने नहीं बताया अपने मन का नाम? हमें पता चला है कमांडर के सम्मान में विधायक जी हो गये थे पूरी तरह खामोश? अगर उन्होंने यहां पर हल्का भी पेंच फंसाया होता? तो राधे-कृष्ण के आशीर्वाद से कोई और ही चेहरा दिखा रहा होता चुनावों में जोश?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैडम डॉली के चुनाव के बाद भारद्वाज खेमें में दिखाई दे रहा है कुछ ज्यादा ही जोश? सुना है खेमे में इस बात को लेकर सहमति बनी है कि शहर विधानसभा उपचुनाव में अपना भी कोई उम्मीदवार उतारेगें, बाकी विरोधियों को कर के रखेंगे खामोश? सुना है इस बात को लेकर हुई थी हाल ही में भारद्वाज जी के यहां पर मीटिंग? जहां पर दिखाई दे रही थी पार्टी के प्रमुख चेहरों की सिटिंग? लगता है इसी खेमे से निकलेगा विधानसभा का टिकट? इसलिए समझदार चेहरों को रहना चाहिए अब भारद्वाज जी के निकट?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हाथ वाले भारद्वाज जी के ब्रदर ने हार में भी ली है एक जीत तलाश? सुना है वो किसी से कह रहे थे अगर हम मैदान में ही ना उतरते तो हमको कौन जान रहा था साहब? कहने वाले ने कहा हमें ठीक लग रही है यहां पर भारद्वाज जी के भाई की बात? भले ही चुनाव हाथ से निकल गया हो मगर पार्टी आला कमान के जहन में बैठा हुआ है गाजियाबाद का लोकसभा चुनाव?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने निर्जला एकादशी पर शरबत बांटा

साहिबाबाद, करंट क्राइम। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने परिवार सहित शालीमार गार्डन स्थित अपने निवास पर निर्जला एकादशी पर राहगीरों को शरबत वितरण किया।

निर्जला एकादशी पर जल दान का महत्व है इसलिए छबील लगाकर जल वितरण किया गया। इस अवसर पर ऋतु शर्मा, ब तेजस्वी शर्मा, बेटा केशव शर्मा, शाश्वत शर्मा, पावनी शर्मा, महामंत्री पप्पू पहलवान, पार्षद राहुल शर्मा, डीएन कौल, प्रतीक माथुर, लेखराज छाबड़ी, देवेंद्र चौधरी, हरीश गौड, पंडित दीपक शर्मा, निशा चौहान, सुमन सती, सुभाष बैसला आदि लोग उपस्थित रहे।

वीवीआईपी एड्रेसेस सोसायटी में बच्चों और बुजुर्गों के लिए ट्रेन की सुविधा : जेपी कश्यप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनगर एक्सटेंशन स्थित वीवीआईपी एड्रेसेस सोसायटी में आज एक नया आयाम जोड़ा गया। पहले से ही अपने क्रिकेट ग्राउंड के लिए एक अलग ही स्टेटस रखने वाली वीवीआईपी एड्रेसेस में आज बच्चों और बुजुर्गों के लिए ट्रेन की सौगात और जुड़ गई। गाजियाबाद की सोसाइटियो के अंदर पहला क्रिकेट ग्राउंड समिति के अंदर ही बना हुआ है। वीवीआईपी के निवासियों की परेशानी को देखते हुए विशेष रूप से बच्चों , महिलाओं और बुजर्ग लोगों के लिए वीवीआईपी की एओंए की तरफ से सोसाइटी के लोगो को ट्रेन की सुविधा दी गई।

सोसायटी के अंदर चलने वाली ट्रेन की शुरुआत प्रातः 7:00 बजे पंडित योगेश शर्मा ने विधि विधान से मंदिर में पूजा अर्चना कराते हुए की। पूजा के दौरान समाजसेवी व सपा नेता जेपी कश्यप और बड़ी संख्या में सोसायटी प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। सोसायटी में ट्रेन के आने से बच्चे बहुत खुश नजर आ रहे थे। बच्चों और बुजुर्गों में बहुत ही ज्यादा उत्साह देखने को मिल रहा है, जिसको भी मौका मिला उसने आज सुबह ही ट्रेन में बैठकर भी सोसायटी का राउंड लगाया। इस अवसर पर जेपी कश्यप, एसपी त्यागी, राजेंद्र त्यागी, केके दुबे, आमोद मित्तल, नितिन त्यागी, नरवीन त्यागी, राजीव शर्मा, सौरभ त्यागी, मदन त्यागी, मनोज सिंघल, मोनिका सिंघल, सुषमा त्यागी, सुधा त्यागी, सतीश चंद दुबे, हरीराज त्यागी, अशोक मित्तल ,एडवोकेट पी त्यागी, विजय तोमर, राजेंद्र प्रसाद त्यागी, बलिस्टर त्यागी आदि लोग उपस्थित रहे।

युवा उद्यमी सचिन भारद्वाज की स्मृति में निर्जला एकादशी पर शरबत वितरित किया

साहिबाबाद,करंट क्राइम। जीएचबी फाउंडेशन द्वारा निर्जला एकादशी के अवसर पर युवा उद्यमी सचिन भारद्वाज, पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व डायरेक्टर, फॉक्स स्काई की पावन स्मृति में मंगलवार को छबील लगाकर मीठे पानी का वितरण साइट-4, साहिबाबाद पर किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज, कोषाध्यक्ष विजयलक्ष्मी भारद्वाज, महासचिव डॉली शर्मा, सहसचिव मनीष भारद्वाज, अथर्व शर्मा व अनन्या भारद्वाज ने विधि विधान से भोग लगवाकर शरबत वितर का शुभारंभ किया। पंडित प्रद्युम्न वशिष्ठ ने वैदिक मंत्रोच्चार कर छबील का शुभारंभ कराया। इस मौके पर पंडित नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि जल ही जीवन है। निर्जला एकादशी के मौके पर मीठे पानी के वितरण से आत्मा तृप्त होती है। इसलिए सबको मीठा पानी पिलाने का प्रयत्न करना चाहिए। वहीं, डॉली शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी में पानी ही अमृत है इसलिए यह सबको एक समान रूप से उपलब्ध होना चाहिए। इससे हमारे मन को शीतलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर महेश भारद्वाज, सुरेंद्र भारद्वाज, मनोज भारद्वाज, महिपाल शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, रेखा दीक्षित, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष विजय चौधरी, जर्नी ऑफ सक्सेस के समाचार संपादक अशोक शर्मा, कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजयपाल चौधरी, अमित भारद्वाज, सुमित भारद्वाज, प्रिंस भारद्वाज, शिवम भारद्वाज, प्यारे चौधरी, कल्लू चौधरी, सिराजुद्दीन, मोनू पंडित आदि लोग मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस ने मृतकों की आत्मशांति के लिए निकाला कैंडल मार्च

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरकार की लापरवाही से हुए बंगाल ट्रेन हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा के शांति के लिए कांग्रेस जिला अध्यक्ष विनीत त्यागी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कार्यालय से नवयुग मार्केट शहीद पथ तक कैंडल मार्च निकाला गया और श्रद्धांजलि दी गई। मृतक लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया। विनीत त्यागी ने कहा कि दुर्घटना के लिए भारतीय जनता पार्टी के रेल मंत्री पूर्णता जिम्मेवार हैं। कैंडल मार्च में पूर्व मेयर प्रत्याशी लालमन सिंह, सुरेंद्र शर्मा, ज्ञानेंद्र त्यागी, उदयवीर पाल, एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव संदीप कुशवाह, प्रदेश सचिव अवधेश कुमार, शिवम, अरविंद त्यागी, हरेंद्र सिंह बाबा, बबलू भाई, विकास व आदिशक्ति मौजूद रहे।

स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। संस्कार उपवन संस्था के प्रमुख नवनीत प्रिय दास तथा उत्तर प्रदेश सहकारिता विभाग क्रयविक्रय समिति के चेयरमैन वीरेन्द्र सारस्वत ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का स्वागत किया और उन्हें बधाई शुभकामनाए दी। इस अवसर पर चैयरमैन वीरेंद्र सारस्वत ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को पटका पहना कर तथा पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

निर्जला एकादशी पर खाकी ने कमाया पुण्य राहगीरों को पिलाया मीठा ठंडा पानी

कवि नगर, लिंक रोड और साहिबाबाद थाना पुलिस ने लगाई छबील

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पुलिस का अक्सर सोशल मीडिया और स्क्रीन पर अलग रूप देखने को मिलता है। वहीं मंगलवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में नजारा कुछ अलग ही देखने वाला रहा। मौका था निर्जला एकादशी का इस अवसर पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के कवि नगर, थाना लिंक रोड, साहिबाबाद के साथ ही कई अन्य चौकी और कार्यालयों के पुलिस स्टाफ ने भीषण गर्मी के मौसम में छबील लगाकर मीठा ठंडा पानी वितरित किया। इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर, उप निरीक्षक, यातायात पुलिसकर्मी और थाने और कार्यालय का स्टाफ रोडवेज बस से लेकर सड़क पर गर्मी में निकलने वाले लोगों को ठंडा मीठा पानी वितरित करते देखे गए। खाकी का यह रूप जिसने भी देखा वह देखता ही रह गया। कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों को लोगों ने धन्यवाद दिया। तो कई बुजुर्गों ने पुलिसकर्मियों को ऐसी गर्मी में उन्हें मीठा ठंडा पानी पिलाने के लिए आशीर्वाद भी प्रदान किया। कवि नगर थाने के प्रभारी योगेंद्र मलिक , साहिबाबाद थाने के प्रभारी अजय व लिंक रोड थाने की थानाध्यक्ष प्रीति द्वारा भी यह ने काम किया गया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जन्मदिन की खुशी अपनों के साथ कुछ अलग ही होती है। मोहित मुखिया को उनके परिजनों ने, मित्रों ने समर्थकों ने एक अलग अंदाज में बर्थ डे की बधाई शुभकामनाएं देकर पूरे माहौल को हैप्पी किया। इस खुशी को मोहित मुखिया ने फेसबुक पोस्ट बनाया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।